राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 20 जुलाई 2024 वर्ष-7,अंक-177 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रसगुल्ला दिवस पर

अपनी रूठी पत्नी को मनाने के लिए भगवान जगन्नाथ माता लक्ष्मी को खिलाते हैं ये मिठाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। वार्षिक रथ यात्रा के बाद भगवान जगन्नाथ के 'नीलाद्रि बीजे' (मंदिर में प्रवेश से संबंधित अनुष्ठान) के अवसर पर ओडिशा में शुक्रवार को 'रसगुल्ला दिवस' मनाया गया जो राज्य के लोगों के लिए मिष्ठान्न के महत्व को रेखांकित करता है। इस दिन को 'रसगुल्ला दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस दिन परंपरा के अनुसार, भगवान जगन्नाथ अपनी रूठी पत्नी देवी लक्ष्मी को रसगुल्ला खिलाकर मनाते हैं। श्री जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता भास्कर मिश्रा ने बताया कि पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवी लक्ष्मी रथयात्रा में साथ नहीं ले जाए जाने की वजह से भगवान जगन्नाथ से नाराज हो जाती हैं। 3 जुलाई 2015 से ओडिशा के लोग 'नीलाद्री बीजे' अनुष्ठान को 'रसगुल्ला दिवस' के रूप में मनाते आ रहे हैं। इस अवसर पर, भगवान को 'रसगुल्ले' का भोग लगाया जाता है और उसके बाद उन्हें औपचारिक 'पहांडी' शोभा यात्रा के जरिए गर्भगृह में ले जाया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने नीट एसएस परीक्षा 2024 को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (19 जुलाई) को केंद्र सरकार, मेडिकल काउंसलिंग कमेटी और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें 21 फरवरी 2024 को हुई बैठक में लिए गए नीट एसएस परीक्षा 2024 को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के फैसले का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ता ने एससी से नीट एसएस परीक्षा 2024 को जुलाई-अगस्त 2024 में आयोजित कराने की मांग की है। साथ ही 21 फरवरी को हुई बैठक में लिए गए एनएमसी के नीट एसएस परीक्षा 2024 स्थगित करने की मांग की है।

संक्षिप्त समाचार

बिलकिस बानो गैंगरेप केस- 2 आरोपियों ने मांगी अंतरिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने रद्द की; 8 जनवरी को दोबारा जेल भेजे गए थे

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो रेप केस के दो दोषियों राधेश्याम भगवानदास और राजूभाई बाबूलाल सोनी की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। दोनों ने जेल से जल्दी रिहाई के लिए उनकी याचिका पर नया फैसला आने तक अंतरिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने कहा कि दोषियों को ऐसा कोई लाभ नहीं दिया जाएगा। कोर्ट ने पूछा, यह दलील क्या है? इसे कैसे स्वीकार किया जा सकता है। यह पूरी तरह से गलत है। हम अपील पर कैसे विचार कर सकते हैं?

छत्तीसगढ़ में 24 घंटे में 2 आईडी ब्लास्ट...2 जवान शहीद, 6 घायल

- एंटी नक्सल ऑपरेशन से लौट रही थी फोर्स

बीजापुर/दंतेवाड़ा (एजेंसी)। दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर पिछले 24 घंटे में 2 अलग-अलग जगह आईडी ब्लास्ट हुए। जिसकी चपेट में आने से 2 जवान शहीद हो गए,

वहीं 6 जवान घायल हैं। घायलों में 2 डीआरजी के जवान हैं, बाकी एसटीएफ के हैं। इधर, दंतेवाड़ा पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में जवानों ने 1 महिला माओवादी को मार गिराया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि इन तीनों जिलों के बॉर्डर पर नक्सलियों के दरभा डिवीजन, पश्चिम बस्तर डिवीजन और मिलिट्री नंबर 2 के नक्सली मौजूद हैं।

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा; 39 की मौत

प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियां फूंकी

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हफ्ते भर से जारी विरोध-प्रदर्शन अब उग्र हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार शाम बांग्लादेश के मुख्य सरकारी टीवी चैनल BTV के मुख्यालय में आग लगा दी। AFP की रिपोर्ट के मुताबिक सैकड़ों प्रदर्शनकारी BTV ऑफिस के कैंपस में घुस आए और 60 से ज्यादा गाड़ियां फूंक

दी। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कल ही BTV को इंटरव्यू दिया था। छात्रों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें भी हुईं। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा में 18 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा 2500 से अधिक लोग घायल हुए। बांग्लादेश में प्रदर्शन शुरू होने के बाद से कम से कम 39 लोगों की मौत हुई है। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बाद वहां से भारतीय लोगों का पलायन शुरू हो गया है।

दुनियाभर में माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस ठप

भारत समेत एयरलाइन कंपनियों का कामकाज रुका, चेक-इन भी प्रभावित

दुनियाभर में 1 हजार फ्लाइट कैंसिल; बैंक, स्टॉक मार्केट और टीवी चैनल पर भी असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। एंटी वायरस 'क्राउडस्ट्राइक' के अपडेट से माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विसेज में शुक्रवार को दिक्कत आ गई। इसकी वजह से दुनियाभर में एयरलाइंस, टीवी टेलिकास्ट, बैंकिंग और कई कार्पोरेट कंपनियों के कामकाज पर असर पड़ा है। अमेरिका, ब्रिटेन और भारत जैसे कई देशों में 1 हजार से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल हो गई हैं। वहीं 3 हजार विमानों ने देरी से उड़ान भरी।

भारत में, 5 एयरलाइन- इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा एयर, विस्तारा और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि उनकी बुकिंग, चेक-इन और फ्लाइट अपडेट सर्विस इस तकनीकी समस्या से प्रभावित हुई है। एयरपोर्ट पर लोग सर्विसेज नहीं मिलने से परेशान हो रहे हैं।

क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के कारण माइक्रोसॉफ्ट की सर्विस ठप हुई

दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के कुछ यूजर्स को अपने लैपटॉप पर नीली स्क्रीन दिखाई दे रही है। इससे उनके सिस्टम ऑटोमैटिकली रीस्टार्ट या शटडाउन हो गए हैं। डेल टेक्नोलॉजीज ने कहा कि यह समस्या हालिया क्राउडस्ट्राइक अपडेट के कारण हुई है। क्राउडस्ट्राइक एक साइबर सिक्योरिटी प्लेटफॉर्म है जो यूजर्स को सिक्योरिटी सॉल्यूशन देता है। क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के कारण ही माइक्रोसॉफ्ट के एज्योर क्लाउड और माइक्रोसॉफ्ट 365 सर्विसेज में परेशानी आई है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, हमें समस्या की जानकारी है और हमने कई टीमों को इसे सुलझाने में लगाया है। हमने इसके कारण का पता लगा लिया है। इससे वहीं यूजर प्रभावित हुए हैं जो माइक्रोसॉफ्ट एज्योर का इस्तेमाल करते हैं।

क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म है माइक्रोसॉफ्ट ऐज्योर

माइक्रोसॉफ्ट ऐज्योर क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म है। ये एप्लिकेशन और सर्विसेज को बनाने, डिप्लॉय और मैनेज करने का काम करता है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट 365 प्रोडक्टिविटी सॉफ्टवेयर है, जिसमें वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, आउटलुक और वन नोट जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन शामिल हैं।

स्पाइसेज ने कहा तकनीकी चुनौतियों का सामना कर रहे

स्पाइसेज ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है, वर्तमान में हम अपने सेवा प्रदाता के साथ तकनीकी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जिससे बुकिंग, चेक-इन और बुकिंग का प्रबंधन सहित ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। परिणामस्वरूप, हमने सभी हवाई अड्डों पर मैन्युअल चेक-इन

और बोर्डिंग प्रक्रियाओं को सक्रिय कर दिया है। हम आगामी यात्रा योजना वाले यात्रियों से अनुरोध करते हैं कि वे हमारे काउंटरों पर चेक-इन पूरा करने के लिए सामान्य से पहले हवाई अड्डे पर पहुंचें। हम इसके कारण होने वाली किसी भी असुविधा के लिए ईमानदारी से खेद व्यक्त करते हैं और आपको आश्वस्त करते हैं कि हमारी टीमें इन मुद्दों को तुरंत हल करने के लिए हमारे सेवा प्रदाता के साथ लगन से काम कर रही हैं। इस दौरान आपके धैर्य और सहयोग के लिए धन्यवाद।

पूजा खेडकर पर एफआईआर दर्ज

- विवादित अधिकारी के खिलाफ एक्शन में पीएससी, हो सकता है निलंबन

नईदिल्ली (एजेंसी)। यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन ने विवादित प्रोबेशनरी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। यूपीएससी ने खेडकर के खिलाफ फर्जी पहचान बताकर सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने के आरोप में एफआईआर दर्ज करवाई है। इसके साथ ही यूपीएससी ने पूजा खेडकर को उनकी उम्मीदवारी रद्द करने और भविष्य की परीक्षाओं/चयनों से वंचित करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

पूजा पर लगे हैं कई आरोप

बता दें कि 2023 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी खेडकर के ऊपर हाल ही में पुणे में ट्रेनिंग के दौरान पावर और विशेषाधिकारों का दुरुपयोग करने का आरोप लगा था।

उत्तरप्रदेश में बाढ़, काशी में गंगा के 30 घाट डूबे

गोरखपुर में एनडीआरएफ तैनात, मुंबई में 10 घंटे में 101 मिमी बारिश; 13 राज्यों में अलर्ट, गुजरात पोरबंदर में बाढ़

- सुपौल में महादेव का मंदिर भी कोसी नदी में समाया

नई दिल्ली/लखनऊ/पटना (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लगभग 1 हफ्ते से बाढ़ के हालात बने हुए हैं। बाढ़ का सबसे ज्यादा असर गोरखपुर में है। यहां राप्ती नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। अब तक 55 से ज्यादा गांव डूब चुके हैं। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पीएसी की टीम 100 नावें लगाकर राहत-बचाव के काम में जुटी है।

गंगा नदी भी उफान पर

गंगा नदी भी उफान पर है। वाराणसी में गंगा में 30 घाट डूब चुके हैं। दशाश्वमेध घाट के गंगा आरती स्थल तक पानी पहुंच गया है। अस्सी घाट की पुराने आरती स्थल की जगह बदल दी गई है। आज आरती 4 फीट पीछे होगी। उधर, बिहार के नेपाल से सटे इलाकों में भी बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा मुंबई में तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक, 10 घंटे में (सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक) 101 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान पेड़ और दीवार गिरने जैसी कई घटनाएं भी सामने आई, लेकिन कोई हताहत नहीं हुई।

- **पोरबंदर में भारी बारिश के बाद बाढ़-** गुजरात के पोरबंदर में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को फायर ब्रिगेड ने बचाया। शिमला आइस फैक्ट्री और रोकाडिया हनुमान मंदिर के पास के इलाके से एक विकलांग दंपती और 13 अन्य लोगों को पानी में डूबे हुए घरों से निकाला गया।
- **कर्नाटक में दीवार गिरने से तीन की मौत-** उधर कर्नाटक में शुक्रवार सुबह भारी बारिश हुई। शिगांव के मदापुरा गांव में एक घर की दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 13 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।
- **मध्य प्रदेश, राजस्थान में भारी बारिश का अलर्ट-** आईएमडी ने 8 राज्यों गोवा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी है।

सीएम हिमंता बोले-

2041 तक मुस्लिम राज्य बन जाएगा असम

- कहा- इसे कोई नहीं रोक सकता; राहुल गांधी एंबेसडर बनें तो जनसंख्या कंट्रोल कर सकते हैं

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार (19 जुलाई) को कहा राज्य में मुस्लिम आबादी हर 10 साल में 30 प्रतिशत बढ़ रही है। ऐसे में साल 2041 तक असम मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। यह हकीकत है और इसे कोई नहीं रोक सकता।

उन्होंने कहा अगर राहुल गांधी जनसंख्या नियंत्रण के ब्रांड एंबेसडर बन जाते हैं तब इस पर नियंत्रण लग सकता है, क्योंकि मुस्लिम समुदाय केवल उनकी बात सुनता है।

असम सीएम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि डेमोग्राफिक डेटा के मुताबिक असम की मुस्लिम आबादी 40 फीसदी हो गई है। जबकि हिंदू समुदाय की आबादी हर 10 साल में करीब 16 फीसदी ही बढ़ रही है।

मुस्लिम मैरिज के लिए लाया जाएगा नया एक्ट- इससे पहले सीएम सरमा ने गुरुवार (18 जुलाई) को बताया कि मंत्रिमंडल ने मुस्लिम मैरिज एक्ट 1935 को रद्द करते हुए नए कानून बनाने को मंजूरी दे दी है। असम मंत्रिमंडल ने इसी साल फरवरी मुस्लिम

मैरिज एक्ट को रद्द करने की मंजूरी दी थी। उन्होंने कहा कि नए कानून से शादी और तलाक के नियमों में समानता आएगी। साथ ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर भी रोक लगेगी। नए कानून के बिल पर संसद के मानसून सत्र में चर्चा की जाएगी।

कांवड़ यात्रा को लेकर यूपी सरकार के आदेश पर विवाद

प्रियंका गांधी ने कहा-यह लोकतंत्र पर हमला; मुस्लिम जमात फैसले के समर्थन में

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में कांवड़ यात्रा मार्गों पर पड़ने वाली दुकानों में दुकानदार को अपना नाम लिखना होगा। इसमें दुकान मालिक का नाम और डिटेल लिखी जाएगी। शुक्रवार को सीएम योगी ने यह आदेश दिया। सरकार का कहना है कि कांवड़ यात्रियों की शुचिता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया है। इसके अलावा, हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कार्रवाई होगी। यूपी के बाद उत्तराखंड के हरिद्वार में भी यह आदेश लागू कर दिया गया है। पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस फैसले को असंवैधानिक बताया। कहा- यह फैसला चुनावी लाभ के लिए है। यह प्रयास धर्म विशेष के लोगों का आर्थिक बायकॉट करने का है। वहीं, यूपी कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने कहा- यह अव्यावहारिक कार्य है। इसको तत्काल निरस्त करना चाहिए।

यूपी में मुजफ्फरनगर पुलिस ने सबसे पहले दुकानों के बाहर दुकानदारों को अपना नाम लिखने का आदेश दिया था। पुलिस का तर्क था कि इससे कांवड़ यात्रियों में कंफ्यूजन नहीं होगा। मतलब,

दुकानदार का धर्म पता चल सकेगा। इस साल कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू हो रही है, जो 19 अगस्त तक चलेगी। यूपी में हर साल 4 करोड़ कांवड़िए हरिद्वार से जल उठाते हैं।

एडीजी बोले- यह नया आदेश नहीं

मेरठ जोन एडीजी डीके ठाकुर ने कहा- यह कोई नया आदेश नहीं है। इसका पिछले साल भी पालन कराया गया था।

फिर आतंकी हमलें, सैनिकों का बलिदान व्यर्थ न जाये

ललित गर्ग

केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया।

लगातार जम्मू-कश्मीर में बढ़ रही आतंकी घटनाएं चिन्ता का कारण बन रही है। डोडा जिले में एक आतंकी हमले में कैप्टन समेत सेना के चार जवानों और जम्मू कश्मीर के एक पुलिसकर्मी का बलिदान अब यही दर्शा रहा है कि शांति एवं अमन की ओर लौटा जम्मू-कश्मीर एक बार फिर आतंकवादी आघातकारी घटनाओं की भेंट चढ़ रहा है, इन घटनाओं का माकुल जबाव नहीं दिया गया तो यह घाटी एक बार फिर खूनी घाटी बन जायेगी। क्योंकि कुछ ही दिनों पहले कठुआ में एक सैन्य अफसर सहित पांच जवान आर्तकियों का निशाना बन गए थे। इसके पहले भी जम्मू संभाग में ही सेना के कई जवान आर्तकियों से लोहा लेते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दे चुके हैं। ये बहुत चिंतित करने वाले त्रासद एवं घिनौने घटनाक्रम हैं कि पिछले कुछ समय से कश्मीर घाटी के साथ-साथ जम्मू संभाग में भी आर्तकियों की गतिविधियां बढ़ती जा रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं से तो यह भी लगता है कि आर्तकियों ने जम्मू संभाग को अपनी गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बना लिया है। एक ऐसे समय जब जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने की तैयारी हो रही है, तब आर्तकियों का सक्रिय होना और सफलतापूर्वक अपने मनसूबों को कामयाब करना गंभीर चिंता का विषय है।

ज्यादा चिन्ताजनक यह है कि पाकिस्तान प्रशिक्षित आतंकी न केवल घुसपैठ कर रहे हैं, बल्कि अपनी गतिविधियों को अंजाम देने और इस क्रम में सेना को निशाना बनाने में भी सफल हो रहे हैं। सरकार को उन खूनी हाथों को खोजना होगा अन्यथा खूनी हाथों में फिर खुजली आने लगेगी। हमें इस काम में पूरी शक्ति और कौशल लगाना होगा। आदमखोरों की मांद तक जाना होगा। अन्यथा हमारी खोजी एर्जेसियों एवं सेना की काबिलीयत पर प्रश्नचिन्ह लग जाएगा कि कोई दो-चार व्यक्ति कभी भी पूरे प्रांत की शांति और जन-जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं, हमारी संवेदनाओं को झकझोर सकते हैं। संवेदनाओं एवं भावनाओं को झकझोर भी रहे हैं, जब आतंकवादी हमलों में शहीद जवानों के पार्थिव शरीर तिरंगे में लिपटे घर की ड्योढ़ी पर आते हैं तब कारुणिक माहौल को देखकर दिल दहल उठता है क्योंकि देश के लिए अपना सर्वोच्च लुटा देने वाला जवान किसी का बेटा, किसी का पति और किसी का पिता होता है। हर आंख में आंसू होते हैं। किसी की गोद, किसी की मांग सूनी हो जाती है। देशवासी सोचने को विवश हैं कि वे शोक संत्पत परिवार के साथ करुणा और पीड़ा को कैसे बांटें।

डोडा वारदात की जिम्मेदारी लेने वाले ह्यकश्मीर टाइगर्सह्ल जैसे आतंकी संगठनों की ताजा बौखलाहट की एक बड़ी

वजह जम्मू-कश्मीर में राजनीतिक प्रक्रिया की बहाली को लेकर बढ़ी सरगर्मी है। राज्य में लोकप्रिय सरकार के गठन के लिए अगले चंद महीनों में ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। ऐसे में, आर्तकियों की बेचैनी समझी जा सकती है कि जिस तरह लोकसभा चुनाव में घाटी में लोग मतदान केंद्रों पर उमड़ पड़े और दशकों पुराना रिकॉर्ड टूटा, अगर विधानसभा चुनाव में लोगों का उत्साह और बढ़ा, तो जिन 'स्लीपर सेल्स' की बदौलत वे दहशत का अपना पूरा कारोबार चलाते हैं, वे भी मुख्यधारा के प्रति आकर्षित होकर, उनके खिलाफ हो सकते हैं। इसलिए उन्होंने घाटी के बजाय जम्मू संभाग में अपनी सक्रियता बढ़ाई है, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया जा सके और सीमा पार के आकाओं से मदद हासिल करने का सिलसिला जारी रहे।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद हुए पहले लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड मतदान से पाकिस्तान बौखलाया है। इसी का परिणाम है लगातार हो रहे आतंकी हमलें। इन हमलों ने आंतरिक सुरक्षा के लिये नये सिरे से चुनौती पैदा की है। जम्मू में रियासी, कठुआ और डोडा के आतंकी हमले चिन्ता का बड़ा कारण बने है। जम्मू-कश्मीर का माहौल सुधरने के बाद वहां के बाजार, पर्यटक स्थल गुलजार हुए हैं और राज्य की अर्थव्यवस्था सुधर रही है। इसलिए देशद्रोही नहीं चाहते कि कश्मीर में शांति आए और वहां पर निर्वाचित सरकार काम करे। केन्द्र में गठबंधन वाली मोदी सरकार के सामने यह एक बड़ी चुनौती है। क्या इन आतंकी घटनाओं को केन्द्र सरकार ने गंभीरता से नहीं लिया है? जो सरकार पाकिस्तान में घूस कर बदला ले सकती है, वह सरकार अब तक शांत क्यों है? ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी तह तक जाने की जरूरत है। आतंकी जिस तरह अपनी रणनीति बदलकर सुरक्षा बलों को कहीं अधिक क्षति पहुंचाने में समर्थ दिखने लगे हैं, वह किसी बड़ी साजिश का संकेत है। एक ओर सीमा पार से होने वाली आतंकियों की घुसपैठ पर प्रभावी नियंत्रण करना होगा, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को नए सिरे से सबक भी सिखाना होगा। यह इसलिए अनिवार्य हो गया है, क्योंकि पिछले कुछ समय में आतंकी हमलों में बलिदान होने वाले सैनिकों की संख्या कहीं अधिक बढ़ी है।

पाकिस्तान सत्ता प्रतिष्ठानों की मदद से यह आतंक का खेल फिर शुरू कर रहा है। कहीं न कहीं दिल्ली में बनी गठबंधन सरकार को यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि पाक पोषित आतंकवादी जम्मू-कश्मीर में शांति एवं अमन को कायम नहीं रहने देंगे। एक आंकड़े के अनुसार पिछले तीन वर्ष में करीब 50 जवानों को अपना बलिदान देना पड़ा है। यह बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं। आतंक को करारा जवाब केवल तभी नहीं दिया जाना चाहिए, जब एक साथ बड़ी संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों को बलिदान देना पड़े। वास्तव में हमारे एक भी सैनिक का बलिदान व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। डोडा की घटना के बाद यह जो कहा जा रहा है कि सैनिकों के बलिदान का बदला लिया जाएगा, उसे न केवल पूरा करके दिखाया जाना चाहिए, बल्कि आतंकियों, उनके आकाओं और उन्हें सहयोग-समर्थन देने वालों पर ऐसा करारा प्रहार किया जाना चाहिए, जिससे वे अपनी हरकतों से हमेशा के लिए बाज आएं। पाकिस्तान भले ही आर्थिक संकट और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहा हो, लेकिन वह जम्मू कश्मीर में पहले की तरह ही आतंकवाद को बढ़ावा देने में लगा हुआ है। उसकी घरेलू व विदेश नीति 'कश्मीर' पर ही आधारित है। चूंकि इसकी भरी-पूरी आशंका है कि चीन उसे उकसाने में लगा हुआ होगा, इसलिए भारत को कहीं अधिक सतर्क रहना होगा।

केन्द्र सरकार ने कश्मीर में विकास कार्यों को तीव्रता से साकार किया है, न केवल विकास की बहुआयामी योजनाएं वहां चल रही है, बल्कि पिछले 10 सालों में कश्मीर में आतंकमुक्त करने में भी बड़ी सफलता मिली है। बीते साढ़े तीन दशक के दौरान कश्मीर का लोकतंत्र कुछ तथाकथित नेताओं का बंधुआ बनकर गया था, जिन्होंने अपने राजनीतिक स्वार्थों के लिये जो कश्मीर देश के माथे का ऐसा मुकुट था, जिसे सभी प्यार करते थे, उसे डर, हिंसा, आतंक एवं दहशत का मैदान बना दिया। लेकिन वहां विकास एवं शांति स्थापना का ही परिणाम रहा कि चुनाव में लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेकर लोकतंत्र में अपना विश्वास व्यक्त किया। बढ़ती आतंकी घटनाओं पर गृहमंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नजर बनाए हुए हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि सुरक्षा बल आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देगा लेकिन रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों को आर्तकियों के प्रति अपनी रणनीति बदलनी होगी और आतंकी जिन बिलों में छिपे होंगे उन्हें वहां से निकालकर ढेर करना होगा। आतंकवाद पर अंतिम प्रहार करने की तैयारी करनी होगी और साथ ही आर्तकियों के मददगारों की भी पहचान करनी होगी, तभी आतंकवाद को नेस्तनाबूद किया जा सकता है।

पुलिस के आला अधिकारी यदि यह कह रहे हैं कि घाटी के नागरिक समाज में पाकिस्तानी 'घुसपैठ' को बढ़ावा देने में कतिपय राजनीतिक दलों का रुख भी जिम्मेदार रहा है, तो क्या यह आधारहीन है? इसका मुकाबला हर स्तर पर हम एक होकर और सजग रहकर ही कर सकते हैं। यह भी तय है कि बिना किसी की गद्दारी के ऐसा संभव नहीं होता है। ताजा आतंकी हमलों के विकराल रूप कई संकेत दे रहे हैं, उसको समझना है। कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसका उत्तर देना है। यह पाकिस्तान का बड़ा षड़यंत्र है इसलिए इसका फैलाव भी बड़ा हो सकता है। ये घटनाएं चिल्ला-चिल्ला कर कह रही हैं हमारी खोजी एजेन्सियों से, हमारी सुरक्षा व्यवस्था से कि वक्त आ गया है अब जिम्मेदारी से, सख्ती से और ईमानदारी से जम्मू-कश्मीर को संभालें।

संपादकीय

'भूमिपुत्र' की राजनीति

कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने भारी विरोध के बाद बुधवार को उस विवादित विधेयक पर रोक लगा दी है, जिसके तहत निजी क्षेत्र में कन्नड़. लोगों के लिए नौकरियों का प्रावधान किया गया था। इस विधेयक को बृहस्पतिवार को विधानसभा में प्रस्तुत किया जाना था। हैरानी की बात है कि संविधान की मूल भावनाओं को समझे बगैर कर्नाटक की कैबिनेट ने इस विधेयक को मंजूरी दी। कर्नाटक राज्य उद्योगों, कारखानों और अन्य प्रतिष्ठानों में स्थानीय उम्मीदवारों के लिए रोजगार विधेयक-2024 के प्रस्तावों के मुताबिक, निजी क्षेत्र के कंपनियों को प्रबंधन स्तर की 50 प्रतिशत और गैर-प्रबंधन स्तर की 70 प्रतिशत नौकरियां कन्नड़. लोगों को अनिवार्य रूप से देनी होगी। इस विधेयक में यह भी प्रावधान था कि निजी क्षेत्रकी कंपनियों में समूह सी और ड़ी श्रेणी के पदों के लिए स्थानीय निवासियों को 100 फीसद आरक्षण दिया जाएगा। इस तरह की 'भूमिपुत्र' नीति लागू करने वाला कर्नाटक पहला राज्य नहीं है। आंध्र प्रदेश ने 2019 में, हरियाणा ने 2020 में इसी तरह के मिलते-जुलते विधेयक पारित किए थे। वस्तुतः स्थानीय लोगों को निजी प्रतिष्ठानों में आरक्षण देने का प्रावधान शेष भारत के नागरिकों के साथ भेदभाव पैदा करता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है, जिसमें कहा गया है कि राज्य भारत के राज्य क्षेत्र में किसी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता से या कानूनों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा। इन्हीं आधारों पर पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में दो सदस्यीय खंड़पीठ ने 17 नवम्बर, 2023 को हरियाणा सरकार के कानून हरियाणा राज्य स्थानीय उम्मीदवारों के रोजगार अधिनियम, 2020 रद्द कर दिया जिसके तहत राज्य के निवासियों के लिए हरियाणा के उद्योगों में 75 फीसद आरक्षण का प्रावधान था। निजी कंपनियों का मानना है कि ऐसे कानून नियोक्ताओं के संवैधानिक अधिकारों पर कुठाराघात करते हैं। निजी क्षेत्र की नौकरियां कर्मचारियों की योग्यता और कौशल पर आधारित हैं। वस्तुतः नई आर्थिक नीतियों के कारण अब सार्वजनिक क्षेत्र में नौकरियां सीमित हो गई हैं। रोजगार के ज्यादातर अवसर अब निजी कंपनियों में ही रह गए हैं। इसलिए सरकारों को चाहिए कि ऐसे कदम न उठाएं जिनसे निजी कंपनियों के हितों पर चोट पहुंचे।

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शरीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूंकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूंकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मो का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मो के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएं दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता तो शिक्षा देती है कि हमें इस कलुषित चेतना को शुद्ध करना है।

बेहतरीन रहे जीएसटी के सात वर्ष, उत्सव मनाने के लिए बहुत कुछ

सात एक विशेष संख्या है। चाहे गणित (अभाज्य संख्याएं और संख्या सिद्धांत), संगीत (सात संगीतमय स्वर), खगोल विज्ञान (चंद्र चरण में दिन) या पौराणिक कथा (सप्त चक्र, सप्त समुद्र या सप्त ऋषि) हो, सात का चक्र हमारे चारों ओर निरंतर मौजूद है। इसलिए यह प्रयास उचित है कि इस महीने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सात साल पूरे होने पर, हम इस बात की जांच करने के लिए कुछ समय निकालें कि स्वतंत्रता के बाद के सबसे बड़े कर सुधार, जीएसटी, जिसे 1 जुलाई, 2017 की मध्य-रात्रि को लागू किया गया था, का प्रदर्शन कैसा रहा है। तब से, जीएसटी ने बड़े पैमाने पर अकादमिक ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। अनुपालन के सरलीकरण, लॉजिस्टिक्स में सुधार से लेकर मजबूत राजस्व संग्रह तक के प्रत्येक आयाम की विस्तार से जांच की गई है।

जीएसटी के विषय से जुड़े कई दृष्टिकोणों में से एक है- जीएसटी के राजस्व प्रदर्शन पर हाल में हुई चर्चा. जो अन्य बातों के साथ-साथ यह दशार्ती है कि सकल राजस्व संग्रह में तेज वृद्धि दर्ज की जा रही है, लेकिन इस वृद्धि के अनुरूप शुद्ध राजस्व नहीं बढ़ा है। शुद्ध राजस्व हाल ही में जीएसटी-पूर्व स्तरों पर पहुंच पाया है। शुद्ध संग्रह में इस गिरावट को कुछ चिंता के साथ देखा जा रहा है। इसके अलावा, विशेष रूप से धन वापसी (रिफंड) के साथ डेटा की उपलब्धता की कमी तथा जीएसटी परिषद के कामकाज पर भी कुछ चिंताएं व्यक्त की गई हैं। आइए राजस्व प्रदर्शन से शुरू करते हुए इनमें से प्रत्येक बिंदु पर गहराई से विचार करें।

खुशी की बात है कि शुद्ध राजस्व संग्रह लगातार बढ़ रहा है और जीएसटी लागू होने के बाद इसकी वृद्धि की गति बढ़ी है। दूसरा, जीएसटी शुरू होने के बाद की अवधि में शुद्ध राजस्व की वर्ष-दर-वर्ष आधार पर होने वाली वृद्धि (जीएसटी के शुरू होने से पहले की अवधि में 11.81 प्रतिशत की तुलना में) औसतन 12.76 प्रतिशत रही। यह उपलब्धि महामारी के बाहरी झटके के बावजूद है। तीसरा, हम यह देख सकते हैं कि शुद्ध राजस्व वृद्धि ने लगातार सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया है। यह नई कर व्यवस्था की प्रणालीगत दक्षताओं को दशार्ता है।

राजस्व संग्रह कर दरों का एक फलन होता है। यहां संदर्भ के लिए, हम इस तथ्य को याद कर सकते हैं कि कर संग्रह संबंधी दक्षता में सुधार के साथ-साथ कर दरों में उल्लेखनीय कमी आई थी। जीएसटी की शुरूआत से पहले, जीएसटी के लिए राजस्व निरपेक्ष दर (आरएनआर) से संबंधित समिति ने 15-15.5 प्रतिशत की दर की सिफारिश की थी। इसके ठीक उलट जीएसटी की शुरूआत के समय इसकी प्रभावी दर 14.4 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया था। बाद में सितंबर 2019 में इसे घटाकर 11.6 प्रतिशत कर दिया गया और मार्च, 20238 में यह 12.2 प्रतिशत हो गया। राजस्व के संदर्भ में, इसे अर्थव्यवस्था के लिए पिछले साल ही 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बचत (प्रोत्साहन) के रूप में निरूपित किया जा सकता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की तुलना में भारत की जीएसटी दरें दुनिया में सबसे कम हैं।

एक उठता हुआ ज्वार सभी नावों को ऊपर उठा देता है। राजस्व में वृद्धि एक बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था का स्वाभाविक परिणाम होता है, हालांकि सकल घरेलू उत्पाद में होने वाली वृद्धि के ऊपर राजस्व संग्रह में होने वाली वृद्धि (या उछाल) एक कर प्रणाली की प्रणालीगत दक्षता की असली परीक्षा होती है। इस मामले में, जीएसटी की शुरूआत के बाद से पहले पांच वर्षों के दौरान, सकल घरेलू उत्पाद (मौजूदा कीमतों पर) के मुकाबले शुद्ध राजस्व उछाल 1.02 था, जबकि जीएसटी के बाद के सात वर्षों के दौरान यह 1.28 था। यह जीएसटी द्वारा संभव बनाई गई संग्रह संबंधी क्षमता का एक प्रमाण है।

निस्संदेह, मासिक आधार पर जारी किए गए राजस्व के आंकड़ों में आमतौर पर सकल संग्रह के आंकड़े शामिल होते हैं। शुद्ध आंकड़े केवल फरवरी, 2024 से प्रकाशित किए गए हैं। हालांकि, जीएसटी की शुरूआत के बाद से प्रत्येक वर्ष की वार्षिक सांख्यिकीय रिपोर्ट प्रकाशित की गई है और सार्वजनिक रूप से रखी गई है। इन रिपोर्टों में निर्यात के कारण किए जाने वाले जीएसटी रिफंड से संबंधित महीने-वार विवरण शामिल हैं। इसलिए रिफंड संबंधी आंकड़ों की सार्वजनिक दृश्यता, थोड़े अंतराल पर ही सही, बनी हुई है।

हम, बिना किसी आधार के, इस दावे की जांच करने के लिए आगे बढ़ते हैं कि जीएसटी परिषद में केन्द्र का 'प्रभुत्व' है1 जीएसटी की शुरूआत के साथ, केन्द्र और राज्यों ने नए कर के प्रशासन से संबंधित मामलों में, खासतौर पर नीति निर्माण, दरों के निर्धारण, कानूनों/नियमों का मसौदा तैयार करने, अनुपालनों के समन्वय आदि जैसे क्षेत्रों में अपनी संप्रभुता को एकाकार किया। कभी-कभी इसे राज्यों की शक्तियों पर प्रतिबंध के रूप में उद्धृत किया जाता है। हालांकि, यह केन्द्र सरकार के लिए भी समान रूप से एक 'प्रतिबंध' है। जीएसटी परिषद ने अपनी समितियों के समर्थन से कई जटिल मुद्दों पर विचार किया है और वह कई ऐसी सिफारिशें लेकर आगे आई है, जिससे कानून के प्रशासन में एकरूपता और दरों की संरचना में स्थिरता आई है। यह सहकारी संघवाद की भावना का एक प्रमाण है। जीएसटी परिषद के सभी निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए हैं।

- देवी प्रसाद मिश्रा

सोशल मीडियाः महंगा पड़ता रील्स का दिखावा

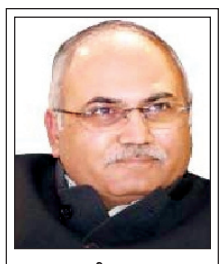

रजनीश कपूर

सोशल मीडिया के इस युग में आजकल जिसे देखो वो अपने स्मार्ट फोन पर रील्स बनाते रहते हैं। कभी-कभी तो कुछ लोग इतने जोखिम भरे रील्स बनाते हैं जो जानलेवा हो जाते हैं। कितनों की मौत हो जाती है तो कई लोग आजीवन विकलांग हो जाते हैं, परंतु आज सोशल मीडिया पर रील्स व पोस्टों से होने वाले जिस नुकसान की बात हम करेंगे वह इन सब से अलग है।

दरअसल, सोशल मीडिया पर डाले जाने वाली पोस्ट और रील्स के चलते अब देश की संस्थाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि सरकारी नौकरी पर तैनात लोगों ने या नए-नए भर्ती हुए अभ्यर्थी सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा पोस्ट करते हैं जो उन्हें नहीं करना चाहिए। ये शौक उन्हें बहुत महंगा पड़ जाता है। मामला एक महिला प्रशिक्षार्थी आईएएस अधिकारी का है, जिसने नई मिली सत्ता के नशे में कुछ ऐसा कर डाला कि संघ लोक सेवा आयोग की प्रतिष्ठा भी दांव पर लग गई। पुणे जिला मुख्यालय में प्रशिक्षण के लिए नियुक्ति के दौरान अपनी अनुचित मांगों और अभद्र व्यवहार के कारण 2023 बैच की आईएएस पूजा खेडकर आजकल काफी चर्चा में हैं।

इन पर आरोप है कि बतौर प्रोबेशन आईएएस अधिकारी रहते हुए इन्होंने सत्ता का दुरुपयोग किया। हद तो तब हुई जब पूजा की अनुचित मांगों को प्रशासन द्वारा स्वीकारा नहीं गया तो उन्होंने अपनी निजी विदेशी लग्जरी कार का इस्तेमाल किया और उसी पर लाल बत्ती लगवा डाली। उन पर यह भी आरोप है कि एडिश्नल कलेक्टर के छुट्टी पर रहने के दौरान खेडकर ने उनके चेंबर पर कब्जा कर लिया और अपनी नेमप्लेट तक लगा दी। इस तरह ताकत का प्रदर्शन करने के शौक ने उन्हें इस हद तक गिरा दिया कि वे नियम और कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाने लग गइ। इतना ही नहीं जैसे ही इनकी अनुचित मांगों के किस्से मीडिया में आने लगे तो इनके चयन को लेकर भी सवाल उठने शुरू हो गए। उल्लेखनीय है कि, सिविल सेवा परीक्षा के दौरान पूजा खेडकर ने यह दावा किया था कि वह मानिसक रूप से दिव्यांग हैं और उन्हें देखने में भी समस्या है। इसी दावे के चलते पूजा को रियायत मिली और कम अंक पाने के बावजूद उन्हें आईएएस में चुन लिया गया। परंतु हैरानी की बात यह है कि बिना मेडिकल जांच के ही उनका प्रशासनिक सेवा में चयन कैसे हुआ? पांच बार मेडिकल जांच को चकमा देने के बाद, कुछ सप्ताह बाद उन्होंने एक निजी क्लिनिक की जांच रिपोर्ट जमा करवाई जिसे संघ लोक सेवा आयोग ने अस्वीकार कर दिया। इस सबके बावजूद न सिर्फ पूजा का चयन आईएएस में हुआ बल्कि नियमों के विरुद्ध उन्हें ट्रेनिंग के लिए उनके गृह राज्य में ही भेज दिया गया, जबकि गृह राज्य में पोस्टिंग सेवाकाल के अंत में विशेष परिस्थितियों में दी जाती है। मामले के तूल पकड़ने पर पूजा को उनकी ट्रेनी पोस्ट से हटा कर वापस मसूरी के लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी भेज दिया गया है जहां पूजा को उन पर लगे आरोपों की जांच होने तक रहना होगा।

यहां सवाल पूजा का नहीं है बल्कि आईएएस बनने या प्रशासनिक सेवा में चुने जाने वाले हर उस उम्मीदवार का है जिसके माता-पिता प्रभावशाली अफसर या बड़े नेता हैं। वरना क्या वजह है कि किसी बड़े नेता के बेटा-बेटी का सामान्य से भी कम बुद्धिमता होने के बावजूद आईएएस जैसी कठिन परीक्षा में एक बार में ही चयन हो जाता है? जबकि मेहनत और ईमानदारी से यूपीएससी की तैयारी करने वाले लाखों साधारण युवाओं का कई-कई प्रयासों के बाद भी चयन नहीं हो पाता? इन सब परतों से पर्दा तब उठता है जब प्रभावशाली अभिभावकों के ऐसे ह्यहोनहार' बालक सोशल मीडिया पर कुछ ऐसा पोस्ट कर देते हैं जो उनके मानसिक स्तर को दशार्ता है।

आपको याद होगा कि उत्तर प्रदेश के एक आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह द्वारा गुजरात चुनाव में ड्यूटी के दौरान सरकारी कार के आगे खड़े होकर खिंचवाई गई फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी। इसका संज्ञान लेते हुए केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने उनके आचरण को अनुचित माना और उन्हें चुनाव की ड्यूटी से हटा दिया था, परंतु अभिषेक जैसे आपको कई अधिकारी मिल जाएंगे जो कि चर्चा में बने रहने के लिए अपने पद की गरिमा का ध्यान न करके सोशल मीडिया पर ना जाने क्या-क्या डालते हैं। मामला पूजा खेडकर का हो या किसी प्रभावशाली मां-बाप के बेटे-बेटी का हो, ऐसी क्या मजबूरी है कि इन 'होनहारों' को यूपीएससी के चयन में एक के बाद एक छूट दे दी जाती है? जबकि किसी भी साधारण उम्मीदवार के साथ किसी भी तरह की रियायत नहीं दिखाई जाती। पूजा के मामले के बाद ऐसे कई और उदाहरण भी सामने आए हैं जहां फर्जी दस्तावेजों के आधार पर कई उम्मीदवारों ने सिविल सेवा में बड़ी आसानी से भर्ती पाई। इस सबसे संघ लोक सेवा आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठने लगे हैं। देखना यह होगा कि ऐसी अनियमितताओं के लिए किस-किस को दोषी पाया जाता है?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड का बोर्ड 1000 करोड़ रुपये के विशेष रसायन कंपनी के अधिग्रहण पर विचार करेगा

मुंबई, एजेंसी। एपीआई इंटरमीडिएट्स (केएसएम और सीआरएम) और एपीआई व्यापार के लिए आवश्यक विभिन्न अन्य कच्चे माल के व्यापार में संलग्न रेमेडियम लाइफकेयर लिमिटेड (बीएसई-539561) ने घोषणा की है कि उसका बोर्ड 8 अगस्त 2024 को वैश्विक उपस्थिति वाली विशेष रसायन क्षेत्र की एक असूचीबद्ध कंपनी के अधिग्रहण पर विचार करने के लिए बैठक करेगा। यह अधिग्रहण स्टॉक स्वैप और वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय डिबेंचर जारी करके किया जाएगा, जिसके परिणामस्वरूप 100त्न खरीद होगी। अधिग्रहण मूल्य लगभग 1000 करोड़ रुपये होने की उम्मीद है, जो मूल्यांकन मापदंडों पर सहमति और लक्षित कंपनी के वित्त और कानूनी औपचारिकताओं की उचित जांच के पूरा होने के अधीन है। बोर्ड 30 जून 2024 को समाप्त तिमाही के लिए अनऑडिटेड स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों पर भी विचार करेगा और उन्हें मंजूरी देगा।

विश्वास स्वरूपम ने 15 लाख पर्यटकों का आंकड़ा पार किया

नाथद्वारा, (राजस्थान)। राजस्थान के नाथद्वारा में स्थित विश्वास स्वरूपम, जिसे स्टैच्यू ऑफ बिलीफ के नाम से भी जाना जाता है, ने नवंबर 2022 में उद्घाटन के बाद से अब तक 15 लाख से अधिक पर्यटकों का स्वागत किया है, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भगवान शिव की यह 369 फीट ऊंची मूर्ति तेजी से भारत में एक प्रमुख आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्थल बन गई है, जो देशभर के पर्यटकों को आकर्षित कर रही है। यह जानना भी दिलचस्प होगा कि यह मूर्ति दुनिया में भगवान शिव की सबसे बड़ी मूर्तियों में से एक है, जो 32 एकड़ में फैली हुई है और कुल ऊंचाई 112 मीटर (34 मीटर आधार सहित) है, इसे 2.5 लाख क्यूबिक टन कंक्रीट से बनाया गया है। इस मूर्ति का जीवनकाल लगभग 250 वर्ष अनुमानित किया गया है। इसे 250 किमी प्रति घंटे तक की हवाओं को आसानी से झेलने और भूकंपीय क्षेत्र ढ्ढङ्क में भी स्थिर रहने के हिसाब से डिज़ाइन किया गया है।

'मेरा बलम थानेदार' में बरखा बिष्ट ने रहस्यमयी महिला के रूप में एंट्री लेकर हंगामा

मुंबई, एजेंसी। कलर्स का मनोरंजक पारिवारिक ड्रामा 'मेरा बलम थानेदार' एक अजीब बदलाव के साथ कहानी में मिठास घोलने वाला है। अपनी दिलचस्प कहानी के लिए प्यार बटोरने के बाद, आईपीएस अधिकारी वीर (शगुन पांडे) और उत्साही बुलबुल (श्रुति चौधरी) के वैवाहिक सफर को दर्शाने वाला, यह शो मीठी माई के रूप में अभिनेता बरखा बिष्ट का स्वागत करेगा। मीठा मीठा बोलो के तकियाकलाम के साथ, शो की यह नई सदस्य भगवान कृष्ण को समर्पित एक सुंदर गॉडवुमन है, जिसके एक हाथ में बांसुरी और दूसरे हाथ में टॉफी से भरी थैली है। एक साल की गहन तपस्या करने के बाद, मीठी माई अपने अजमेर आश्रम में लौट आती है, जिनके पीछे उनकी चमत्कारी प्रार्थनाओं की कसम खाने वाले भक्तों का जत्था है। ऐसा लगता है कि भगवान कृष्ण के मन में इस संत के लिए विशेष स्थान है, जिन्होंने उसे ऐसी अद्भुत शक्तियों का आशीर्वाद दिया है जो हर किसी को उनके सामने नतमस्तक और हैरान कर देता है। क्या उनके रहस्यमय तरीके वीर और बुलबुल के पहले से ही अस्त-व्यस्त ज़िंदगी में और भी उथलपुथल मचाएंगे? इसके अलावा, क्या वह वाकई चमत्कार करती हैं या फिर यह बस ढोंग है? यह तो आने वाला समय बताएगा।

लैंक्सेस इंडिया ने ईटी नाऊ सप्लाय चेन मैनेजमेंट एण्ड लॉजिस्टिक्स अवार्ड्स 2024 में सिल्वर जीता

नई दिल्ली। लैंक्सेस इंडिया ने प्रतिष्ठित ईटी नाऊ सप्लाय चेन मैनेजमेंट एण्ड लॉजिस्टिक्स अवार्ड्स 2024 में सिल्वर प्राप्त किया है। यह पुरस्कार उसे 'पायनियरिंग रिस्क मिटिगेशन स्ट्रैटेजीज' श्रेणी में दिया गया है। यह महत्वपूर्ण सराहना अपनी सप्लाय चेन्स को ज्यादा सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिये हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। नई दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम के दौरान लॉजिस्टिक्स के हेड महेन्द्र शेल्के ने यह पुरस्कार

लैंक्सेस इंडिया की ओर से प्राप्त किया। सप्लाय चेन्स को सफल बनाने वाले सबसे महत्वपूर्ण साझीदारों में से एक होता है ड्राइवर। वह मटेरियल की एक जगह से दूसरी जगह सुरक्षित आपूर्ति के लिये जिम्मेदार होता है। यह पुरस्कार लैंक्सेस की 'एम्पावर्ड ड्राइवर' पहल की सराहना करता है, जिसका लक्ष्य ड्राइवरों को आवश्यक सहयोग देकर सशक्त करनाहै। इसमें परामर्श, प्रदर्शन का मूल्यांकन, व्यापक प्रशिक्षण, सुरक्षा में प्रदर्शन के लिये सराहना और चिकित्सा करना शामिल है। इससे उनका भरोसा और आत्मविश्वास बढ़ जाता है और वे उत्साही बने रहते हैं। कंपनी अपने ड्राइवरों को सड़कों पर होने वाली गलतियों पर जागरूक भी करती है और इससे बचने के तरीके बताती है।

ड्राइवरों को सशक्त करके और जागरूकता की संस्कृति को बढ़ावा देकर लैंक्सेस इंडिया न केवल परिचालन क्षमता को बढ़ाती है, बल्कि अपने परिचालन में दुर्घटनाओं को भी कम करती है।

इंडेल मनी का अंडमानमें प्रवेश

द्वीपों में छह शाखाएँ खोली गईं

इन द्वीपों में व्यापार के अवसरों का दोहन करने और स्थानीय समुदायों की ऋण की मांग को पूरा करने के लिए एनबीएफसी की पहल

मुंबई, एजेंसी। गोल्ड लोन क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी (एनबीएफसी) इंडेल मनी ने अंडमान द्वीप समूह में छह शाखाएं खोली हैं। कंपनी का लक्ष्य द्वीपों के नागरिकों को तेज़ और सुविधाजनक वित्तीय सेवाएँ प्रदान करना है। कंपनी के अध्यक्ष मोहनन गोपालकृष्णन ने गरचरमा, जंगलीघाट, विंबर्लीगंज, हड्डो, एबरडीन बाजार और प्रोथ्रापुर स्थित छह शाखाओं का उद्घाटन किया। पहलेसेही 13 राज्यों में मौजूद, कंपनी राष्ट्रव्यापी विस्तार योजना के एक हिस्से के रूप में, 8 शाखाएं खोलकर अगस्त 2024 में राजस्थान में प्रवेश करने के लिए तैयार है। इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए इंडेल मनी के कार्यकारी निदेशक और सीईओ उमेश मोहनन ने कहा, वर्तमान में, अंडमान द्वीप समूह के क्षेत्र में वित्तीय सेवाएं सीमित मात्रा में उपलब्ध हैं। दरअसल यहां पर्यटन उद्योग बड़े पैमाने पर है। इस उद्योग से जुड़े स्थानीय आबादी को ऋण और वित्तीय सेवाओं की त्वरित आवश्यकता होती है। पारंपरिक ऋण देने वाली कंपनियां यहां पर्याप्त सेवाएं प्रदान करने में असमर्थ हैं। इंडेल मनी जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) इस अंतर को पाटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं तथा स्थानीय अर्थव्यवस्था के समग्र विकास में योगदान दे रही हैं। अंडमान में हमारे व्यवसाय का विस्तार देश के हर कोने तक पहुंचने और वित्तीय समावेशन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए प्रत्येक नागरिक की सेवा करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इंडेल मनी ने हाल ही में अहमदाबाद में अपनी 300वीं शाखा खोली है। कंपनी का गुजरात, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुडुचेरी और केरल इन राज्यों में एक बड़ा नेटवर्क है। राजस्थान और पश्चिम बंगाल में भी अगली तिमाही में कंपनी की सेवा शुरू हो जाएगी। कंपनी विभिन्न वित्तीय आवश्यकताओं वाले ग्राहकों को गोल्ड लोन सेवाओं का एक व्यापक सेट प्रदान करती है।

ब्रिक्स सीसीआई के एनर्जी पार्टनरशिप फोरम 2.0 में

ऊर्जा क्षेत्र में नवप्रवर्तन एवं सहयोग को रेखांकित किया गया

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिक्स चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (ब्रिक्स सीसीआई) की ऊर्जा इकाई ने ऊर्जा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय गठबंधन एवं नवप्रवर्तन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित एक महत्वपूर्ण और बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम एनर्जी पार्टनरशिप फोरम 2.0 का आयोजन किया। इस आयोजन में शामिल राजनयिकों, उद्योगपतियों और सरकारी अधिकारियों ने ब्रिक्स देशों और इनके सहयोगियों के बीच ऊर्जा सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की।

ब्रिक्स और अन्य देशों से राजनयिक प्रतिनिधियों ने इसमें प्रतिभाग कर मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की। भारत में रूसी दूतावास से श्री रोमन बाबुशकिन, नई दिल्ली में चीनी दूतावास के मिनिस्टर काउंसलर श्री गाओ होंगशान और नई दिल्ली में उरुग्वे के राजदूत अल्बर्टो ए. गुआनी ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा सहयोग पर अद्भुत भाषण दिया। इस फोरम ने कोस्टा रिका गणतंत्र दूतावास की सीडीए सुश्री सोफिया सालस मोंगे और भारत में मोरक्को दूतावास के इकोनॉमिक काउंसलर श्री सैद हिजरी समेत सम्मानित अतिथियों और ब्रिक्स देशों के दूतावास के आधिकारिक प्रतिनिधियों को सम्मानित किया।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य और पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री डाक्टर राणा गुरमीत सिंह सोढी ने विशेष अतिथि के तौर पर अपने संबोधन में राष्ट्र के विकास में ऊर्जा सुरक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका रेखांकित की। उन्होंने कहा, ऊर्जा, आर्थिक वृद्धि एवं टिकाऊपन की रीढ़ है और भावी ऊर्जा नीतियों को आकार देने के लिए इस तरह के फोरम आवश्यक हैं। कठिन से मुक्ति वाले क्षेत्र में रुख करने के लिए मुक्त व्यापार को बढ़ावा दिए जाने की जरूरत है ताकि शून्य एवं निम्न कार्बन हाइड्रोजन का अधिक इस्तेमाल किया जाए।

टीसीएस इन्क्विज़िटिव 2024 की घोषणा हुई

मुंबई, एजेंसी। आईटी सेवाएं, कंसल्टिंग और बिज़नेस समाधान प्रदान करने वाली, विश्व स्तर पर अग्रणी कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेस ने देशभर के हाईस्कूल छात्रों के लिए डिज़ाइन की गयी अभिनव शिक्षा पहल, टीसीएस इन्क्विज़िटिव 2024 की घोषणा की है। टीसीएस की इस प्रमुख वार्षिक क्विज़ में खेल के ज़रिए आधुनिकतम प्रौद्योगिकियों में छात्रों की कुशलताओं को परखा और प्रोत्साहित किया जाता है। 2024 में टीसीएस इन्क्विज़िटिव में आमने-सामने बैठकर की जाने वाली क्विज़ फिर से शुरू हो रही है, क्विज़िंग का ज़्यादा प्रभावशाली अनुभव इस साल मिलेगा। हैदराबाद, बंगलौर, इंदौर, चेन्नई, नागपुर, कोलकाता, अहमदाबाद, भुबनेश्वर, मुंबई, पुणे, दिल्ली और कोच्ची में ऑन-ग्राउंड क्विज़ होंगे। प्रतिस्पर्धी और दर्शक दोनों को क्विज़िंग का रोमांचक अनुभव फिर से मिलेगा। रीजनल राउंड के विजेता और उपविजेता सेमी-फाइनल और फाइनल में भाग लेंगे। आठवीं से बारहवीं तक के छात्र (प्री-यूनिवर्सिटी और जूनियर कॉलेज सहित) इसमें भाग ले पाएंगे। क्विज़ में भाग लेने के लिए कोई भी शुल्क नहीं देना है। टीसीएस के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर श्री अभिनव कुमार ने कहा, अपने डिजिटल भविष्य को आकार देने के लिए भारत को अगले कुछ सालों में 30 मिलियन से ज्यादा डिजिटल कुशल प्रोफेशनल्स की आवश्यकता होगी।

देधिया म्युज़िक फाउन्डेशन ने युवा सर सरताज 2024 की घोषणा की

मुंबई, एजेंसी। ज़ायकस के सीईओआतिश देधिया द्वारा स्थापित गैर-लाभ संगठन देधिया म्युज़िक फाउन्डेशन जो हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के संरक्षण के लिए समर्पित है, ने युवा सर सरताज 2024 की घोषणा की है। अपनी तरह की अनूठी यह टैलेंट हंट हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करेगी। इसका उद्देश्य उभरते हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकारों को उचित मार्गदर्शन तथा विकास के लिए मंच प्रदान करना और उन्हें पहचान देना है।

भारतीय शास्त्रीय संगीत में जाने- माने नाम जैसे श्रीमति कौशिकी चक्रवर्ती, श्री राहुल देशपाण्डे और श्री संजीव अभयंकर जजों के पैनल में शामिल होंगे। युवा सर सरताज हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीतकारों को एक्सपोज़र प्रदान करने के साथ-साथ अपना कौशल दर्शाने का मौका भी देगी। वास्तव में चुने गए प्रतिभागियों को उचित सहयोग, मार्गदर्शन भी दिया जाएगा।

जी कनेक्ट लॉजिटेक और सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड को लॉजिस्टिक और मटेरियल हैंडलिंग के लिए दो ऑर्डर मिले

मुंबई, एजेंसी। जी कनेक्ट लॉजिस्टिक्स एंड सप्लाई चेन को रॉयल ट्रांसपोर्ट, भावनगर, गुजरात और वेरा सिंथेटिक लिमिटेड, भावनगर, गुजरात से लॉजिस्टिक और मटेरियल हैंडलिंग के लिए दो ऑर्डर मिले हैं। इस क्रम में भावनगर से दक्षिण भारत के विभिन्न डीलरों तक मधु सिलिका प्राइवेट लिमिटेड, प्रीसिपिटेटेड सिलिका और एल्युमिनो सिलिकेट्स के उत्पादों की लोडिंग, अनलोडिंग और परिवहन। पीपी मछली पकड़ने के जाल, सुतली रस्सी बेल्ट और औद्योगिक जहाजों की लोडिंग, अनलोडिंग और परिवहन, जुलाई 2022 में प्रति माह औसतन 800 टन शामिल नियमों और शर्तों के अनुसार, जी कनेक्ट लॉजिटेक एंड सप्लाई चेन लिमिटेड सतह रसद सेवाएं और माल परिवहन सुविधाएं प्रदान करता है। जी कनेक्ट लॉजिटेक एंड सप्लाई चेन प्राइवेट लिमिटेड सतही लॉजिस्टिक्स सेवाएं प्रदान करने के व्यवसाय में लगी हुई है। कंपनी सरफेस लॉजिस्टिक्स कंपनियों सहित अन्य लॉजिस्टिक्स कंपनियों को अपनी सेवाएं प्रदान करती है और सीधे ग्राहकों को आपूर्ति करती है।

मेटा द्वारा भारत के व्यवसायों के लिए मेटा वैरिफाईड सदस्यता शुरू की गई

मेटा वैरिफाईड भारत में व्यवसायों के लिए इंस्टाग्राम और फेसबुक पर उपलब्ध हो रहा है।

मुंबई, एजेंसी। मेटा ने भारत में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर व्यवसायों के लिए मेटा वैरिफाईड सब्सक्रिप्शन प्लान पेश किए हैं। कंपनी ने पिछले साल एक छोटे से परीक्षण के साथ व्यवसायों के लिए मेटा वैरिफाईड शुरू किया था, जिसका उद्देश्य यह जानना था कि मेटा किस प्रकार अपने ऐप्स पर व्यवसायों को अपने लक्ष्य प्राप्त करने के लिए सबसे उपयोगी सदस्यता टूलकिट प्रदान कर सकता है। इससे पहले इस साल मेटा ने अपने प्रारंभिक परीक्षण का विस्तार कर एक सदस्यता प्लान को चार तक ले जाने की घोषणा भी की थी, और कंपनी ने पिछले साल व्हाट्सऐप पर व्यवसायों के लिए मेटा वैरिफाईड का लॉन्च कर इसे आगे बढ़ाया, जिसकी घोषणा इसकी कन्वर्सेशंस कॉन्फरेंस के दौरान की गई थी। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर इस विस्तारित मेटा वैरिफाईड व्यवसायिक प्रस्तुति में बेहतर अकाउंट सपोर्ट, इम्पर्सनेशन सुरक्षा, और डिस्कवरी एवं कनेक्शन को सपोर्ट करने के लिए अतिरिक्त फीचर्स के साथ वैरिफाईड बैज शामिल है।

टाटा पावर वित्त वर्ष 2025 में 20,000 करोड़ रुपये कैपेक्स निवेश करेगी

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी एकीकृत बिजली कंपनियों में से एक टाटा पावर ने आज वित्त वर्ष 2023-24 के लिए शेयरधारकों की अपनी 105वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित की थी। शेयरधारकों को संबोधित करते हुए चेयरमैन श्री नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा कि, कंपनी का मजबूत वित्तीय और परिचालन प्रदर्शन लगातार विकास, वित्तीय विवेक और परियोजना को चलाने में उत्कृष्टता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। टाटा पावर के चेयरमैन श्री एन चंद्रशेखरन ने कहा, वित्त वर्ष 2025 में 20,000 करोड़ रुपये का कैपेक्स निवेश करने की टाटा पावर की योजना है। यह वित्त वर्ष 2024 में निवेश किए गए 12,000 करोड़ रुपये से अतिरिक्त है।

मिआ बाए तनिष्क के नेवर बिफोर सेल में आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठाइए

मिआ बाए तनिष्क के शानदार आभूषणों के मेकिंग चार्जेस पर 110 प्रतिशत तक की भारी छूट पाइए

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े फाइन ज्वेलरी ब्रांड्स में से एक, मिआ बाए तनिष्क ने नेवर बिफोर सेल की घोषणा की है। इस एक्सक्लूसिव ऑफर में उपभोक्ताओं को मेकिंग चार्जेस पर मिलेगी 110 प्रतिशत तक की छूट, स्टाइलिश आभूषणों को बहुत ही आकर्षक कीमतों में खरीदने का यह सुनहरा मौका है। एक से बढ़कर एक, बेहद खूबसूरत और स्टाइलिश आभूषणों की विशाल श्रेणी को इस सेल में शामिल किया गया है, आभूषणों से प्यार करने वाले हर व्यक्ति को इसमें अभूतपूर्व खुशी मिलेगी। मिआ बाए तनिष्क के इस अपनी तरह के अनोखे ऑफर में 1 आभूषण की खरीदी पर मेकिंग चार्जेस पर 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी, 2 आभूषण खरीदने पर मेकिंग चार्जेस पर 100 छूट मिलेगी। 4 आभूषण खरीदने पर उनमें से सबसे कम कीमत का आभूषण फ्री मिलेगा। आपके पुराने तनिष्क या मिआ प्रोडक्ट एक्सचेंज कीजिए और ऊपर दी गयी ऑफर्स के अलावा पाइए 10 अतिरिक्त छूट। 18 जुलाई से शुरू हो रहे इस सेल में मिआ बाए तनिष्क की अपने उपभोक्ताओं को मूल्य प्रदान करने की प्रतिबद्धता रेखांकित की जाएगी। सेल का सबसे ज्यादा लाभ उठाने के लिए स्टोर में आकर खरीदारी करें, यादगार खरीदारी की खुशी और संतुष्टि पाएं। स्टड्स, फिंगर रिंग्स, ब्रेसलेट्स, इयररिंग्स, ईयर कफ्स, नेकलेस और पेंडेंट्स के कई अलग-अलग शानदार डिज़ाइन पर यह स्पेशल ऑफर लागू है। चमचमाते सोने के आभूषणों में आंखें चकाचौंध कर देने वाले हीरे जड़े हुए कई स्टाइल इसमें हैं। पार्टियों से लेकर एनिवर्सरी, कॉकटेल इवनिंग और जन्मदिवस तक, खास पलों को मिआ बाए तनिष्क के साथ यादगार बनाइए।

मर्सिडीज-बेंज ने अपना लोकप्रिय 'विशबॉक्स' फाईनेंशल कैम्पेन शुरू किया

विशबॉक्स में मर्सिडीज-बेंज के ग्राहकों को अनेक अनुकूलित इनोवेटिव ओनरशिप समाधान प्राप्त होते हैं

मुंबई, एजेंसी। पुणे एजेंसी। भारत के सबसे डिजायरेबल लग्जरी कार निर्माता, मर्सिडीज-बेंज ने आज मर्सिडीज-बेंज खरीदने के इच्छुक ग्राहकों के लिए अपना लोकप्रिय 'विशबॉक्स' कैम्पेन शुरू किया। इसके अंतर्गत मर्सिडीज-बेंज ने 'विशबॉक्स' द्वारा ग्राहकों को एक नया और आसान फाईनेंशल समाधान प्रदान किया है, जिसमें 'स्टेप-अप ईएमआई', 'ज्यादा वार्षिक पेआउट के साथ कम ईएमआई' और 'ईएमआई होलिडे' जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इसके द्वारा ग्राहकों को अपनी फाईनेंशल जरूरतों के अनुरूप कस्टमाईज्ड फाईनेंशल समाधान मिलते हैं। विशबॉक्स का उद्देश्य इनोवेटिव मोबिलिटी समाधानों के साथ मर्सिडीज-बेंज खरीदना आसान बनाना और इसे खरीदने का सपना पूरा करना है। इस अभियान के साथ प्रबुद्ध ग्राहकों की आकांक्षाओं के अनुरूप इनोवेटिव और व्यक्तिगत ओनरशिप का अनुभव प्रदान करने की मर्सिडीज-बेंज की प्रतिबद्धता आगे बढ़ रही है।

सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड ने टिकाऊ कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने और किसानों को सशक्त बनाने के लिए बूमित्रा के साथ रणनीतिक साझेदारी की

मुंबई, एजेंसी। सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में ब्रांडेड और गैर-ब्रांडेड बासमती और गैर-बासमती चावल तथा अन्य उत्पादों के निर्माण, व्यापार, प्रसंस्करण और विपणन के व्यवसाय में संलग्न है, ने टिकाऊ कृषि प्रथाओं को क्रांतिकारी बनाने के लिए बूमित्रा ओ2सी टेक इंडिया के साथ साझेदारी की है। इस महत्वपूर्ण समझौते का उद्देश्य उत्पादकता बढ़ाना, मिट्टी की गुणवत्ता सुधारना और सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड तथा इससे जुड़े लगभग 17,000 से अधिक किसानों के लिए कार्बन क्रेडिट की बिक्री के माध्यम से आय उत्पन्न करना है, जो 45,000 एकड़ क्षेत्र को कवर करते हैं।

यह साझेदारी टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मृदा कार्बन बाजार में अग्रणी, बूमित्रा, सर्वेश्वर फूड्स लिमिटेड से जुड़े किसानों को पुनर्जनन कृषि प्रथाओं को अपनाने में मदद करने के लिए अपनी विशेषज्ञता लाएगी।

श्रीलंका दौरे पर टीम चयन को लेकर विवादों में आये गंभीर

जडेजा, रुतुराज और अभिषेक को टीम में शामिल नहीं करने पर उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने श्रीलंका दौरे के लिए जिस प्रकार टीम में कई अच्छे खिलाड़ियों को जगह नहीं देते हुए नये खिलाड़ियों को शामिल किया है। उसे उनपर सवाल उठाने लगे है। श्रीलंका दौरे की लिए चयनित टीम में ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा, के अलावा रुतुराज गायकवाड़ और अभिषेक शर्मा को भी जगह नहीं मिली है जबकि रियान पराग ओर शिवम दुबे को कमजोर प्रदर्शन के बाद भी शामिल कर लिया गया है।

रोहित शर्मा के टी-20 प्रारुप से संन्यास लेने के बाद सभी को उम्मीद थी कि उपकप्तान हार्दिक पंड्या को कप्तानी मिलेगी पर सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया। सोशल मीडिया पर प्रशंसकों ने गंभीर के फैसलों पर सवाल उठाये हैं। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के करीबी खिलाड़ियों का बाहर किया जा रहा है। इसका कारण ये है कि जडेजा, रुतुराज और पंड्या के धोनी से काफी अच्छे संबंध रहे हैं।

पहले बात करते हैं रुतुराज की। रुतुराज को धोनी का बेहद करीबी माना जाता है। आईपीएल में धोनी ने गायकवाड़ को चेन्नई सुपरकिंग्स टीम में अपनी कप्तानी में ही आगे बढ़ाया था। अब गायकवाड़ चेन्नई सुपरकिंग्स के नए कप्तान हैं। विश्व कप के ठीक बाद जिम्बाब्वे दौरे पर इस क्रिकेटर ने दो अर्धशतक लगाये थे। इसी तरह जिम्बाब्वे दौरे पर 46 गेंद में में शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा को भी टीम में नहीं रखा गया है। वहीं जडेजा भी धोनी के करीब रहे हैं। वह आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेलते थे। जडेजा से टी20 से संन्यास ले लिया है और माना जा रहा है कि वह भविष्य की योजनाओं के लिए शामिल नहीं है। इसलिए उन्हें बाहर किया गया है।

इसके अलावा पंड्या भी धोनी के पसंदीदा खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं पर गंभीर के कोच बनते ही उनमी जगह सूर्यकुमार को कप्तान बना दिया गया। इसके लिए तर्क ये दिया गया कि पंड्या बार-बार चोटिल होने के कारण लगातार टीम के लिए उपलब्ध नहीं होते। वहीं गंभीर के करीब श्रेयस अय्यर की टीम में वापसी हुई है।

'वह कप्तानी के हकदार थे', टी20आई की कप्तानी न मिलने पर हार्दिक पांड्या को मिला कैफ का समर्थन

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका दौरे के लिए सूर्यकुमार यादव को टी20आई कप्तान नियुक्त किए जाने के बाद भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को टी20आई कप्तानी संभालने के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है। विशेष रूप से युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को हार्दिक की जगह नया टी20आई उप-कप्तान नियुक्त किया गया है जिन्होंने 2024 टी20 विश्व कप जीत के दौरान उस भूमिका में काम किया था।

कैफ ने कहा कि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति को टीम का नेतृत्व करने के अपने पिछले अनुभव को देखते हुए टी20आई कप्तानी के लिए पांड्या का समर्थन करना चाहिए था। कैफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि हार्दिक पांड्या को 'शायद कप्तान बनना चाहिए' (श्रीलंका दौरे के लिए)। हार्दिक ने दो साल तक गुजरात टाइटन्स की कप्तानी की है और अपने पहले साल में ही उन्होंने फाइनल में जगह बनाई...हार्दिक को टी20आई टीम की कप्तानी करने का अनुभव है। वह टी20 विश्व कप में उप-कप्तान भी थे। अब एक नया कोच आ गया है, नई योजना होगी।'

उन्होंने कहा, 'सूर्या भी एक अच्छा खिलाड़ी है, वह सालों से खेल रहा है। वह नंबर 1 टी20 खिलाड़ी है, मुझे उम्मीद है कि वह कप्तान की जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभाएगा। लेकिन मुझे लगता है कि उन्हें हार्दिक का समर्थन करना चाहिए था। गंभीर एक अनुभवी कप्तान और कोच हैं...वह क्रिकेट को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। मुझे लगता है कि 'हार्दिक ने ऐसा कोई गलत काम नहीं किया कि उन्हें कप्तानी न मिले'। उनके पास अनुभव है, उन्होंने आईपीएल में कप्तानी की है और एक नई टीम (गुजरात टाइटन्स) को ट्रॉफी तक पहुंचाया है जिसमें नए और युवा चेहरे हैं, जो एक बड़ी बात है। उन्होंने आईपीएल में ग्राउंड जीरो से काम करके टाइटन्स को जीत दिलाई है...मुझे लगता है कि वह कप्तानी के हकदार थे। तो चलिए बस इंतजार करते हैं और देखते हैं।

महिला एशिया कप : नेपाल ने यूएई को छह विकेट से हराया

दांबुला (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज समझाना खड़का के नाबाद अर्धशतक और तेज गेंदबाज इंदु बर्मा के तीन विकेट की मदद से नेपाल ने शुक्रवार को यहां महिला टी20 एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले मैच में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 23 गेंद शेष रहते हुए छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की।

खड़का ने 45 गेंद पर नाबाद 71 रन बनाए, जिसमें 11 चौके शामिल हैं। उनकी इस पारी की मदद से नेपाल ने 116 रन का लक्ष्य 16.1 ओवर में हासिल कर दिया। नेपाल ने 4 विकेट पर 118 रन बनाए। अमीरात की टीम इससे पहले 8 विकेट पर 115 रन ही बना पाई थी। उसकी तरफ से खुशी शर्मा ने 36 और कविशा एगोडेज ने 22 रन का योगदान दिया।

बर्मा नेपाल की सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 19 देकर तीन विकेट लिए। नेपाल को भी कुछ मुश्किल पलों से गुजरना पड़ा। ऑफ स्पिनर एगोडेज (12 रन देकर 3 विकेट) ने अमीरात को वापसी दिलाने का अच्छा प्रयास किया लेकिन खड़का ने एक छोर संभाले रखा और टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचाया।

ओलंपिक में अमन , विनेश सहित सभी पहलवानों पर जीत के लिए रहेगा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक खेलों में इस बार भारत की ओर से पुरुष वर्ग में अमन सहरावत ही प्रवेश हासिल कर पाये हैं। वहीं महिला वर्ग में विनेश फोगाट सहित पांच खिलाड़ियों ने प्रवेश हासिल किया है। ऐसे में इन पहलवानों पर पदक जीतने का दबाव रहेगा। इसका कारण ये है कि भारतीय पहलवानों का प्रदर्शन ओलंपिक खेलों में हमेशा अच्छा रहा है। ऐसे में इस बार भी पहलवानों पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा।

अमन सहरावत (पुरुष फ्रीस्टाइल 50 किग्रा) : अमन ने 57 किग्रा भार वर्ग में रवि दहिया की जगह ओलंपिक टिकट हासिल किया है। उनका दमखम और धैर्य बनाए रखना मजबूर पक्ष है। अगर मुकाबला 6 मिनट तक चलता है तो उन्हें हराना आसान नहीं होगा। उनके खेल में रणनीति की कमी है और उनके पास दूसरी योजना भी नहीं रहती है। ऐसे में उनके लिए पेरिस में विरोधी मुश्किलें पैदा कर सकते हैं।

विनेश फोगाट (महिला 50 किग्रा) : विनेश फोगाट भारत की सबसे अनुभवी महिला पहलवानों में से एक हैं। मजबूत रक्षण और उतना ही प्रभावशाली आक्रमण उनकी ताकत है पर पिछले एक साल में उन्हें शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का अवसर मौका मिला है। इसके अलावा वह कम वजन वर्ग में भाग ले रही है। इसके लिए उन्हें अपना वजन कम करना होगा।

अंतिम पंघाल (महिला 53 किग्रा) : अंतिम पंघाल पेरिस ओलंपिक कोटा हासिल करने वाली पहली पहलवान रही हैं। अंतिम का मजबूत पक्ष उनका लचीलापन है जिससे वह विरोधी की पकड़ से जल्दी बाहर निकल जाती है। उन्होंने हालांकि एशियाई खेलों में भाग नहीं लिया और पीठ की चोट के कारण उन्हें इस साल एशियाई चैम्पियनशिप से बाहर होना पड़ा। ऐसे पिछले कुछ समय में कम प्रतियोगिताओं में भाग लेने से अभ्यास की कमी उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है

रीतिका हुड्डा (महिला 76 किग्रा) : रीतिका अपनी ताकत के बल पर मजबूत खिलाड़ियों को भी हैरान कर देती हैं। इससे अनुभवी पहलवानों के लिए भी उन्हें हराना कठिन रहा है। रीतिका के पास ताकत और तकनीक है पर वह मुकाबले के आखिरी 30 सेकंड में अंक खो देती हैं। अगर वह बढ़त भी बना लेती है, तो भी वह उन अंकों को खो सकती है।

अंशु मलिक (महिला 57 किग्रा) : जूनियर स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के बाद सीनियर स्तर में जगह बनाने वाली अंशु पदक के दावेदारों में शामिल है। मैट पर तेज़ी से मूवमेंट करना और आक्रामक खेल शैली अंशु की सबसे बड़ी ताकत है। हालांकि उनकी फिटनेस कमजोर कड़ी है। वह कंधे की चोट से परेशान रही हैं। उनका दावा है कि यह सिर्फ गर्दन की ऐंठन है, लेकिन उसका परीक्षण नहीं किया गया है।

निशा दहिया (महिला 68 किग्रा): निशा ने शुरू में काफी उम्मीद जगाई लेकिन चोटिल होने के कारण उनकी प्रगति पर प्रभाव पड़ा। वह अपनी आक्रामक शैली से मजबूत प्रतिद्वंदी को भी हैरान कर देती है। वह निडर होकर खेलती है जो उनका मजबूत पक्ष है। उन्हें हालांकि बड़ी प्रतियोगिताओं में खेलने का कम अनुभव है जो उनकी कमजोरी है। इसके अलावा मुकाबला लंबा चलने पर वह शिथिल पड़ जाती है।

एकदिवसीय टीम में जगह मिलने से उत्साहित राणा बोले, गंभीर ने बदला मेरा नजरिया

नई दिल्ली । दिल्ली के तेज गेंदबाज हर्षित राणा श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल किये जाने से उत्साहित हैं। राणा ने घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के साथ ही आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के लिए इस सत्र में 19 विकेट लिए थे। इस शानदार प्रदर्शन के कारण ही उन्हें जिम्बाब्वे दौरे पर टीम इंडिया में जगह मिली थी पर वह अंतिम ग्यारह में जगह नहीं बना पाये थे। लेकिन तब उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह नहीं मिली थी. हर्षित ने कहा, 'मैं कड़ी मेहनत करने में भरोसा करता हूं पर जब भी मेरी अनदेखी होती तो मैं निराश होता था पर मेरे पिता ने कभी उम्मीद नहीं छोड़ी।' हर्षित ने कहा, 'अगर खेल के प्रति मेरा नजरिया बदला है तो इसका श्रेय काफी कुछ केकेआरी के मेंटोर रहे गौतम गंभीर को जाता है। उन्होंने मेरी मानसिकता को बदल दिया। शीर्ष स्तर पर सफल होने आपको कौशल चाहिए होता है पर कौशल से ज्यादा आपको दबाव से निपटने के लिए दिल की जरुरत होती है।' गंभीर हमेशा मुझसे कहते कि मुझे तुझ पर भरोस है जिससे भी मुझे प्रेरणा मिली।

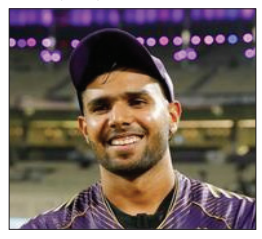

भारतीय महिला टीम जल्द ही आईसीसी ट्रॉफी जीतेगी : स्नेह राणा

मुंबई । स्पिन आल राउंडर स्नेह राणा का कहना है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के हाल में टी20 विश्व कप ट्राफी जीतने से भारतीय महिला टीम को भरोसा मिला है कि वे अपनी पहली आईसीसी ट्राफी जीतने की मुहिम जारी रखेंगे। भारतीय टीम शुक्रवार से श्रीलंका में शुरू हो रहे महिला एशिया कप में फिर खिताब बरकरार रखने की दावेदार है और टीम की असली परीक्षा अक्टूबर में टी20 विश्व कप और अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप में होगी। स्नेह राणा ने कहा, 'अगर आप पिछले दो-तीन साल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन देखो तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है। आईसीसी ट्राफी जीतने की बात करें तो पुरुष टीम का उदाहरण देखिए, उन्हें ट्राफी जीतने में लगभग 10 साल लगे। वे लंबे समय से मेहनत और तैयारी कर रहे थे।' उन्होंने कहा, 'कुछ बड़ा हासिल करना है तो यह रातोंरात नहीं होगा। इसमें समय लगेगा। इसके लिए काफी संघर्ष और बलिदान लगेगा। लेकिन अंत में हम ऐसा करेंगे।' क्षेत्ररक्षण टीम के लिए चिंता का विषय रहा है लेकिन उनका कहना है कि इसमें सुधार करने के लिए जज्बे में कोई कमी नहीं हुई है। 2014 में पदार्पण करने वाली स्नेह राणा ने कहा, 'जब हम इतने मैच खेलते हैं तो गलतियों का काफी अधिक मौका होता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कोई खिलाड़ी इसमें खराब है। निश्चित रूप से जब आप मैदान पर होते हो तो आप अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हो।'

गुजरात टाइटन्स खरीदने की तैयारी में अडानी और टोरेंट ग्रुप, जानें कितनी है फ्रेंचाइजी की कीमत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी समूह और टोरेंट समूह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स में नियंत्रक हिस्सेदारी की बिक्री के लिए निजी इक्विटी फर्म सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स के साथ बातचीत कर रहे हैं। सीवीसी आईपीएल फ्रेंचाइजी में बहुमत हिस्सेदारी बेचने को तैयार है जबकि कुछ हिस्सेदारी बरकरार रखेगी। यह तब हुआ है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की लॉक-इन अवधि, जो नई टीमों को हिस्सेदारी बेचने से रोकती है, फरवरी 2025 में समाप्त हो जाएगी।

गुजरात टाइटन्स तीन साल पुरानी फ्रेंचाइजी है जिसकी कीमत 1 बिलियन डॉलर से 1.5 बिलियन डॉलर के बीच हो सकती है। सीवीसी ने 2021 में 5,625 करोड़ में फ्रेंचाई खरीदी थी। इस मामले से जुड़े एक अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया, '2021 में आईपीएल की अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के मालिक बनने का मौका चूकने के बाद अडानी और टोरेंट दोनों गुजरात टाइटन्स में बहुमत हिस्सेदारी खरीदने के लिए आक्रामक रूप से होड़ कर रहे हैं। सीवीसी के लिए यह फ्रेंचाइजी में अपनी हिस्सेदारी का मुद्रीकरण करने का एक शानदार अवसर है।'

अन्य अधिकारी ने कहा, 'आईपीएल फ्रेंचाइजी निवेशकों का बहुत ध्यान आकर्षित कर रही हैं, क्योंकि लीग ने खुद को ठेस नकदी प्रवाह के साथ एक आकर्षक संपत्ति के रूप में स्थापित किया है।' गौतम अडानी ने पहले ही महिला प्रीमियर लीग (WPL) और UAE-brd इंटरनेशनल लीग टी20 में टीमों का अधिग्रहण करके क्रिकेट में निवेश किया है।

2023 में अडानी ने 1,289 करोड़ रुपए की शीर्ष बोली के साथ महिला प्रीमियर लीग की अहमदाबाद फ्रैंचाइज़ी हासिल की। इससे पहले गुजरात टाइटन्स के सीओओ अरविंदर सिंह ने कहा कि फ्रैंचाइजी अगले मीडिया अधिकार चक्र में लाभ प्राप्त करेगी। यहां तक कि मूल 10 फ्रेंचाइजी को भी लाभ में आने में चार से पांच साल लग गए। हमें विश्वास है कि न केवल हम लाभ में आएंगे, बल्कि हमारी ब्रांड वैल्यू भी तेजी से बढ़ेगी।'

पेरिस ओलंपिक लिए भारतीय दल में सबसे ज्यादा एथलेटिक्स खिलाड़ी

नई दिल्ली । पेरिस ओलिंपिक में भाग ले रहे 117 सदस्यीय भारतीय दल में सबसे ज्यादा एथलेटिक्स और निशानेबाज शामिल हैं। वहीं पिछली बार भारतीय दल में 119 खिलाड़ी थे। इसके अलावा सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को भी भेजा जाएगा। पूर्व निशानेबाज गगन नारंग दल प्रमुख बनाये गये हैं। 117 खिलाड़ियों में सबसे अधिक 29 एथलीट हैं। इनमें (11 महिला और 18 पुरुष) हैं। उनके बाद निशानेबाजी के 21 और हॉकी के 19 खिलाड़ी हैं। टेबल टेनिस में आठ जबकि बैडमिंटन में सात खिलाड़ी भाग लेंगे। भारोत्तोन में केवल एक खिलाड़ी, इसके अलावा कुश्ती, तीरंदाजी और मुक्केबाजी में 6-6 खिलाड़ी भाग लेंगे। गोल्फ में 4, टेनिस में 3, तैराकी में 2, नौकायन में 2 खिलाड़ी हैं जबकि घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और वेटलिफ्टिंग में एक-एक खिलाड़ी भाग लेंगे। निशानेबाजी टीम में 11 महिला और 10 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। टेबल टेनिस में पुरुष और महिला दोनों ही वर्ग में चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं सहयोगी स्टाफ की बात करें तो निशानेबाजों के साथ सबसे बड़ा दल जा रहा है। इमसें सहयोगी स्टाफ के सर्वाधिक 18 सदस्य शामिल हैं जिनमें से एक हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और छह कोच हैं। इसमें चार कोच, चार फिजियो, दो मनोवैज्ञानिक और एक कंडिशनिंग एक्सपर्ट शामिल हैं। वहीं ऐथलेटिक्स में सहयोगी स्टाफ के 17 सदस्य शामिल हैं जबकि कुश्ती में 12, मुक्केबाजी में 11, हॉकी 10, टेबल टेनिस 9, बैडमिंटन 9, गोल्फ 7, घुड़सवारी 5, तीरंदाजी 4, रोइंग 4, वेटलिफ्टिंग 4 टेनिस 3, स्विमिंग 2 और जूडो 1 है।

बाबर, शाहीन, रिजवान को झटका, ग्लोबल टी20 कनाडा के लिए नहीं मिलेगी मंजूरी !

लाहौर । पाकिस्तान के स्टार तिकड़ी बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी को आगामी ग्लोबल टी20 कनाडा में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिलने की संभावना नहीं है। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि लीग शेड्यूल के बावजूद खिलाड़ियों को एनओसी नहीं मिलेगी ताकि पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय मैचों से किसी तरह का टकराव न हो। पाकिस्तान बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा जिसकी शुरुआत 21 अगस्त से होगी। कनाडाई लीग 25 जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाएगी। यह भी बताया गया कि एनओसी न मिलने का कारण यह है कि सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को नीति के अनुसार प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) खिलाड़ियों को एनओसी जारी करने के पक्ष में नहीं है, क्योंकि उनके आगे बहुत व्यस्त कार्यक्रम है। स्टार पेसर नसीम शाह को भी पिछले सप्ताह द हंड्रेड में खेलने के लिए एनओसी नहीं दी गई थी। सूत्रों के हवाले से जियो न्यूज ने कहा, पाकिस्तान के क्रिकेटर द्वारा प्रस्तुत आवेदन की समीक्षा करने के बाद, एनओसी देने से इनकार करने का निर्णय एक निवारक उपाय के रूप में लिया गया है। नसीम के आवेदन को चोटों से बचाने के लिए खारिज कर दिया गया है क्योंकि युवा खिलाड़ी पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारूपों में खेलता है और पिछले साल चोटों और फिटनेस चुनौतियों का सामना किया है। स्टार तिकड़ी के अलावा मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली और इफ्तिखार अहमद के पास भी ग्लोबल टी 20 कनाडा अनुबंध हैं। इस सप्ताह की शुरुआत में पीसीबी के अध्यक्ष नकवी ने कहा कि खिलाड़ियों को कुछ मानदंडों के आधार पर एनओसी मिलेगी। जो खिलाड़ी मानदंडों को पूरा करते हैं, उन्हें एनओसी मिलेगी। पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा, 'खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस और प्रदर्शन के आधार पर पदोन्नत किया जाएगा। उन खिलाड़ियों के लिए कोई जगह नहीं है जो मानदंडों को पूरा नहीं करते हैं। अनुशासन पर भी कोई समझौता नहीं किया जाएगा।'

टेनिस बॉल क्रिकेट और आईपीएल, अक्षर पटेल ने टी20 विश्व कप में सफलता का राज खोला

मुम्बई (एजेंसी)। ऑलराउंडर अक्षर पटेल टी20 विश्व कप 2024 में भारत के लिए सबसे शानदार खिलाड़ियों में से एक थे। अक्षर ने टूर्नामेंट में खेल के तीनों विभागों में योगदान दिया और जब भी टीम मुश्किल में फंसी, उन्होंने भारत को बचाया। बल्ले से अक्षर ने टूर्नामेंट के फाइनल में भारत को जीत दिलाई। गेंद से अक्षर ने सेमीफाइनल में गत चैंपियन इंग्लैंड को हराने में मदद की और मैदान में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर 8 में मिशेल मार्श के खिलाफ अक्षर के कैच ने खेल का रुख बदल दिया।

रवींद्र जडेजा के टी20 प्रारूप में संन्यास लेने के बाद अक्षर को लंबे समय तक ऑलराउंडर के विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। टी20 विश्व कप में अपने सफल अभियान के बाद अक्षर ने एक साक्षात्कार में बताया कि कैसे टेनिस बॉल क्रिकेट और इंडियन प्रीमियर लीग खेलने से उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट में दबाव को संभालने में मदद मिली। क्रिकबज से बात करते हुए अक्षर ने बताया कि टेनिस बॉल क्रिकेट में उनकी पृष्ठभूमि ने उन्हें हर तरह की गेंद पर शॉट लगाने के लिए तैयार किया। बल्लेबाज ने कहा कि उन्होंने अनुभवी गेंद से बेहतर तकनीक सीखी, लेकिन टेनिस बॉल क्रिकेट ने ही बल्लेबाजी के लिए उनकी मानसिकता को आकार दिया।

अक्षर ने कहा, 'टेनिस बॉल क्रिकेट खेलने से मेरी हिटिंग क्षमता पर असर पड़ा, क्योंकि उस प्रारूप में आप लगभग हर गेंद पर छक्का या चौका लगा सकते हैं, खासकर 10-12 ओवर के छोटे मैचों में। इसने मेरे शॉट चयन को भी प्रभावित किया। शुरुआत में मैं मुख्य रूप से लेग साइड में गेंद मारता था। हालांकि जब मैंने सीजन बॉल क्रिकेट में बदलाव किया, तो मुझे हर गेंद पर सिर्फ स्लॉग करने के बजाय स्विंग के साथ खेलने के महत्व का एहसास हुआ। मैंने अपने हिटिंग क्षेत्रों का विस्तार करने पर काम किया, सीधे खेलने पर ध्यान केंद्रित किया और क्रॉस-बैटेड शॉट्स से परहेज किया।'

उन्होंने आगे कहा, 'टेनिस बॉल क्रिकेट ने मुझे दबाव से निपटना भी सिखाया। बड़े होते हुए मैं अक्सर खुद को दबाव की स्थितियों में पाता था, जिससे मैं मानसिक रूप से अधिक स्थिर और मजबूत हुआ। मैंने शांत रहना और सकारात्मक सोचना सीखा, जो मेरे करियर में अमूल्य रहा है।'

मैं पाकिस्तान के खिलाफ नर्वस था

अक्षर को खेल के ग्रुप चरणों में न्यूयॉर्क पिच पर पाकिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया था। हालांकि, उस खेल में अक्षर ने कोई बड़ी पारी नहीं खेली, लेकिन बल्लेबाज ने कहा कि अचानक हुए बदलाव ने उन्हें टूर्नामेंट में किसी भी चीज का सामना करने के लिए तैयार कर दिया। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान के खिलाफ मुझे बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा गया। मैच से पहले, मुझे बताया गया कि अगर शुरुआती विकेट मिलते हैं तो मुझे जल्दी बल्लेबाजी करनी पड़ सकती है। उस समय मैं नर्वस था। नेट्स में, मैंने नई गेंद से अभ्यास नहीं किया और अचानक मुझे पावरप्ले में खेलना पड़ा। मेरा आईपीएल अनुभव काम आया और इसने मुझे सकारात्मक महसूस कराया। दिल्ली कैपिटल्स के लिए, मैंने पावरप्ले ओवरों में कुछ बार बल्लेबाजी की और कुछ महत्वपूर्ण पारियां भी खेलीं।'

उन्होंने कहा, 'इससे मुझे यह समझने में मदद मिली कि ऐसी परिस्थितियों में क्या करना है। मुझे सकारात्मक रहना था और इस बात की चिंता नहीं करनी थी कि मुझे कौन गेंदबाजी करेगा। मैं ज्यादा सोचने की कोशिश नहीं कर रहा था। और मुझे पता था कि मुझे स्थिति के अनुसार खेलना है। मैं बस वर्तमान में रहना चाहता था। पाकिस्तान के खिलाफ यह मेरे लिए कारगर रहा।'

खेलगांव में पहली बार बच्चों के लिए नर्सरी, दूध पिलाने के लिए अलग कमरे

खेल डैस्क -पेरिस ओलिम्पिक कई मायनों में खास होने जा रहा है। यह ऐसा पहला ओलिम्पिक होगा जिसमें पूर्णतः लैंगिक-समानता देखने को मिलेगी। इसके अलावा कार्बन उत्सर्जन में भारी कमी करना और स्टेडियम के बाहर उद्घाटन समारोह करके यह पहले ही चर्चा में है। अब इसमें एक और उपलब्धि जुड़ गई है। प्रबंधन ने पहली बार खेलगांव में मांओं के लिए नर्सरी की शुरूआत की है जिसमें एथलीट कठिन प्रतिस्पर्धा और प्रशिक्षण कार्यक्रम के बीच अपने बच्चों या शिशुओं के साथ आसानी से समय बिता सकेंगे। फ्रांसीसी राष्ट्रीय ओलिम्पिक और खेल समिति ने खेलों के भीतर पेरेटिंग की जगह बने रहे, इसलिए स्तनपान कराने वाले एथलीटों के लिए होटल के कमरे उपलब्ध कराने का वादा किया है। इससे उन मांओं को सुविधा होगी जोकि बच्चों के कारण प्रैक्टिस या प्रतिस्पर्धा में संतुलन नहीं बिठा पाती थीं। अमेरिकी ट्रैक और फील्ड एथलीट एलिसन फेलिक्स जोकि 2022 में खेल से संन्यास लेने से पहले 11 ओलिम्पिक पदक जीत चुकी हैं, ने इस आइडिया को आगे बढ़ाया है। अंतर्राष्ट्रीय ओलिम्पिक समिति के एथलीट आयोग में शामिल फेलिक्स ने कहा कि मुझे लगता है कि यह वास्तव में महिलाओं को बताता है कि आप मातृत्व चुन सकती हैं और अपने खेल में शीर्ष पर भी रह सकती हैं।

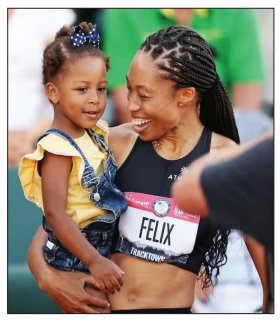

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खरपतवारों की विशेषताएं स्वभाव और हानियां

खरपतवार धरती पर बिन बुलाए देशी और विदेशी मेहमान हैं। दुखद पहलू यह है कि इसमें विदेशी खरपतवार ज्यादा सिर उठाये हुए हैं। पचास के दशक में अमेरिका से पी.एल. 480 योजना के तहत आयातित गेहूं के साथ पारथेनियम भारत आया। असल में इस दौरान विदेशी वनस्पति के देश में प्रवेश के संगरोधन नियम ज्यादा प्रभावी नहीं थे। यही नहीं उस समय भूखी जनता के पेट की आग को बुझाने का मुख्य मुद्दा हमारे सामने था। इसके अलावा गेहूँसा/मंडूसी (फैलेरिस माइनर) नामक घास के बीच मिश्रित रूप से हरित क्रांति से पूर्व मैक्सिको से आयातित गेहूं के साथ आये। यही घास जिसको हमारे किसान गेहूं का मामा या गुल्ली डंडा कहते हैं, आज गेहूं की फसल की खुराक खा जाने वाला मुख्य खरपतवार है (डॉ. राजवीर शर्मा 2005)

यह निर्विवाद सत्य है कि खरपतवारों की उपस्थिति फसल की उपज को कम करने में सहायक है। किसान जो अपनी पूर्ण शक्ति व साधन फसल की अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिये लगाता है, ये अनैच्छिक पौधे इस उद्देश्य को पूरा नहीं होने देते। खरपतवार फसल के पोषक तत्व, नमी, प्रकाश, स्थान आदि के लिए प्रतिस्पर्धा करके फसल की वृद्धि, उपज और गुणों में कमी कर देते हैं, (डॉ. अनिल दीक्षित, डॉ.एन.टी. यदुराजू और डॉ.जे.एस. मिश्रा, 2004)।

खरपतवारों की विशेषताएं तथा स्वभाव

खरपतवार विशेष प्रकार की वृद्धि करने के स्वभाव तथा बीजोत्पादन के ढंग रखते हैं। मुख्य विशेषताओं का संक्षिप्त विवरण निम्न लिखित है:-

- अनेक खरपतवार विषम परिस्थितियों में अच्छी प्रकार वृद्धि करते हैं।
- अनेक खपतवार वानस्पतिक ढंग से उत्पन्न होते रहते हैं और अपनी संतान वृद्धि/प्रसार करते हैं। यदि उनको बीजोत्पादन से रोक दिया जाये तब भी वे नये पौधों को जन्म देते रहेंगे और उनका प्रसार होता रहेगा। जैसे मोथा की भौमिक गांठें, हिरनखुरी की भूमिगत जड़ें तथा तने।
- बहुत से खरपतवार चिपकने वाले गोंद जैसे पदार्थों से ढके रहते हैं। इनमें कड़े रोयें, तथा इनमें कांटे पाये जाते हैं। इन उपायों से वे पशुओं तथा मनुष्यों द्वारा नष्ट होने से अपनी रक्षा करते हैं।
- अनेक खरपतवार फसलों से सफलतापूर्वक प्रतियोगिता करते हैं, क्योंकि वे विषम परिस्थितियों में अपने रूपान्तरित विधि से जीवन यापन की क्षमता रखते हैं
- असंख्य बीज प्रतिवर्ष खरपतवार द्वारा उत्पन्न होते हैं।
- खरपतवार के बीज बहुत वर्षों तक जमीन के अंदर दबे रहते हैं और उनकी अंकुरण शक्ति नष्ट नहीं होती है। यह शक्ति दस, बीस और तीस वर्षों तक भी बनी रहती है बथुआ में देखा गया है कि इसके बीज बीस से चालीस वर्षों तक भूमि में दबे रहने पर जमने की शक्ति रखते हैं।
- कुछ खरपतवार के बीज उसी समय पकते हैं जबकि फसल पक कर तैयार होती हैं। अथवा फसल पक कर तैयार होने के पहले ही खरपतवार के बीज भूमि पर गिर जाते हैं या फसल के साथ ही काट लिए जाते हैं।
- कुछ बीज फसलों के बीज से इतनी समानता रखते हैं कि उनको करना बहुत ही कठिन कार्य है।
- खरपतवार की जड़ें बहुत ही विकसित होती हैं और मिट्टी में गहराई तक पहुंचकर अपना खाद्य पदार्थ प्राप्त करने की क्षमता रखती है। जड़ों की वृद्धि खरपतवारों में फसलों की अपेक्षा अधिक होती है। यह देखा गया है कि हिरनखुरी की जड़ें 6 मीटर की गहराई तक भूमि में जाती है। जवासा की जड़ें 3 से 4 मीटर और वायसुरी तथा कांस की जड़ें 6 मीटर की गहराई तक भूमि के नीचे पहुंचती हैं।
- खरपतवारों में रोगों और कीटों के आक्रमण को रोकने की क्षमता होती है।

द्य खरपतवार हर प्रकार की कमजोर भूमियों में उग सकते हैं, जैसे ऊसर, बंजर, कंकरीली तथा दलदली भूमियों में भी खरपतवार अच्छी प्रकार अपना प्रसार करते हैं।

- घास पात के पौधे भूमि से पोषक पदार्थों का उपयोग करते हैं जिसकी मात्रा उपयोगी फसलों के पौधों द्वारा प्रयोग होने वाले पोषक पदार्थों की तुलना में अधिक होती है। जंगली सरसों (ब्रेसिका साइनेन्सिस) की जई के पौधे की अपेक्षा दुगने पोटाश की आवश्यकता होती है।
- घासपात कृषि कार्य में अवरोध उत्पन्न करते हैं, श्रम एवं उपकरणों के खर्च में वृद्धि करते हैं तथा फसलों के गुण एवं उत्पादन में कमी करते हैं।
- घासपातों से आक्रांत फसलों की कटाई चाहे श्रमिकों से कराई जाए या मशीनों से, किंतु श्रम खर्च में निश्चित वृद्धि होती है। घासपातों के कारण कटाई के यंत्रों में अधिक टूट-फूट, गत्यवरोध तथा अधिक मूल्य द्वारा ह्रास होता है।
- अनाज में मिले घासपातों के बीजों के कारण उपज की गुणवत्ता कम होती है तथा इसका बाजार मूल्य कम मिलता है। गेहूं में लेथिरस एफाफा (खेसरी, मटरी) आदि सामान्य घासपातों के बीज मिले होने पर बाजार में उसकी कीमत ही कम नहीं मिलती अपितु खाद्यमान भी कम हो जाता है। इसी प्रकार दुधारू पशु के चारे में बन लहसुन (वाइल्ड गार्लिक) मिल जाने पर दूध में अप्रिय गंध आने लगती है। पशुओं के बालों में कोलकबर चिपका होने से उनकी कीमत कम हो जाती हैं।
- घासपात के कारण चारागाहों की घास उत्पादकता

कम हो जाती है तथा भूमि मूल्य में ह्रास होता है। इस प्रकार की क्षति विशेषकर बहुवार्षिक घासपातों के कारण होती है।

- घासपात कीटों और पीड़क रोगों को आश्रय प्रदान करते है तथा इनके वैकल्पिक परपोषियों का कार्य करते हैं जो उपयोगी फसलों की क्षति पहुंचाते हैं। उदाहरणार्थ जंगलीगाजर पर रस्ट फ्लाई तथा गाजर का घुन होते हैं जो गाजर की फसल पर आक्रमण करते हैं। इसी प्रकार घासपातों पर फफूंदी और अन्य रोगाणु बहुगुणित होते रहते हैं तथा फसलों को हानि पहुंचाते हैं।
- घासपात सिंचाई और जल निकास व्यवस्था में बाधा उत्पन्न करते हैं। नालियां रुक जाती हैं तथा घासपात के बीज जल के साथ ऐसे खेतों में चले जाते हैं जहां सिंचाई जल जाता है। इसके अतिरिक्त जलीय घासपात झीलों व तालाबों इत्यादि को क्षति पहुंचाते हैं।
- कृषि और उद्यानों को हानि पहुंचाने के अलावा घासपात वनों को भी हानि पहुंचाते हैं। वनों की पुनर्जनन अवधि कभी-कभी 15-30 वर्ष तक होती है तथा अनुपयोगी पौधों की काष्ठीय भूमिगत वृद्धि को यदि ठीक से नियंत्रित न किया जाय तो यह उपयोगी पौधों के साथ तीव्र स्पर्धा करती है। लेन्टाना दक्षिण भारत तथा हिमाचल प्रदेश के चंदर (सेन्टेलम) वनों के लिए पहले ही घातक सिद्ध हो रहा है। देवदिकर एवं सहयोगियों के अनुसार यूफोर्बिया जेनिकुलाटा आदि कुछ घासपाती से रस लेने के कारण मधुमक्खियों को बहुधा विषाक्तता हो जाती है। घासपात के खिले पुष्प मधुमक्खियों को आकर्षित करने में उपयोगी फसलों से स्पर्धा करते हैं जिससे इनमें परागण कम हो जाता है और अन्ततः उपज कम हो जाती है। (देवदिनकर 1961)।

खरपतवार प्रबंधन

प्रतिबंधात्मक/ निवारण विधियां

इस विधि में वे क्रियाएं शामिल हैं जिनके द्वारा फसलों के खेतों में खरपतवारों के प्रवाह को रोका जा सकता है जैसे-

- खरपतवार रहित शुद्ध प्रमाणित बीज बोना।
- कृषि में प्रयोग आने वाली मशीन व यंत्र साफ हो।
- सिंचाई की नालियां व नहरों के किनारे उगे हुए खरपतवारों को समय से नष्ट कर दिया जाए।
- अच्छी तरह से सड़ी पकी गोबर और कम्पोस्ट खाद का खेतों में इस्तेमाल करें।
- ज्यादातर बहुवर्षीय खरपतवार जैसे कांस, पैराग्रास, दूब घास, मोथा, भोण्ड घास, कांदी इत्यादि खेतों की मेड़ के माध्यम से चुपके-चुपके खेत में प्रवाह करते हैं और बाद में बड़े पैमाने पर पूरे खेत में फैल जाते हैं इसलिए खेत के चारों तरफ की मेड़ की साफ-सफाई रखना बहुत आवश्यक है।

नियंत्रण विधि

इस विधि के तहत ऐसी क्रियायें आती हैं जिनके द्वारा बोआई के पहले और उनके बाद अथवा जब खरपतवार खेत में खड़ी फसल के साथ-साथ उग आते हैं तब निम्नलिखित विधियों द्वारा खरपतवारों को नष्ट किया जा सकता है।

यांत्रिक विधि

खरपतवार नियंत्रण की यह एक सरल और प्रभावी विधि है। विभिन्न फसलों की प्रारंभिक अवस्था में बोआई के 25 से 45 दिन के बीच का समय खरपतवारों से प्रतियोगिता की दृष्टि क्रांतिक समय है। अतः प्रारंभिक अवस्था में ही फसलों को निराई-गुड़ाई, खुरपी, फावड़ा, व्हील हो, हैण्ड हो की सहायता से करने से खरपतवारों का नियंत्रण प्रभावी ढंग से होता है और फसल की पैदावार में वृद्धि होती है।

शस्य विधि - ग्रीष्मकालीन जुताई और मेड़ों की सफाई- मई-जून में जब तापमान 45 सेंटीग्रेड के आस-पास रहता है तब यदि खेतों की जुताई की जाये तो कीड़े बीमारियों के साथ-साथ खरपतवारों के बीज भी भूमि के अंदर से सतह पर आ जाते हैं।

समय पर बोनी

कहा जाता है कि स्वस्थ फसल की सबसे प्रबल खरपतवारनाशी है। बचाव से सुरक्षा बेहतर के सिद्धांत के अनुसार फसलों की अनुशंसित समय पर बोनी करें जिससे अनुकूल जलवायु और भूमिगत परिस्थिति पाकर अंकुरण शीघ्र हो तथा फसल के पौधे पुष्ट होकर खरपतवारों से सफल प्रतिस्पर्धा कर सके।

कतार बोनी

छिटक कर खाद, उर्वरक तथा उसके ऊपर बीज छिटक कर बोने से खाद, उर्वरक का काफी हिस्सा खरपतवार चट कर जाते हैं। परिणामस्वरुप फसल, खरपतवार प्रतिस्पर्धा में फसल कमजोर हो जाते हैं। कतारों में बोनी करने से नीचे उर्वरक और उसके ऊपर बीज गिरने से पोषक तत्व सिर्फ फसलों के पौधों को ही मिल पाते हैं, कतार बोनी के साथ रसायनिक नींदानाशक प्रयोग यंत्र से अथवा हाथ से बचे खरपतवार की निदांई करने से एक चौथाई खर्च आता है।

सही फसल चक्र अपनाकर

एक ही तरह की फसलों को अलग-अलग मौसम में लगातार कई वर्षों तक खेतों में उगाने से खरपतवारों की समस्या जटिल हो जाती है। इसलिए जरुरी है कि खेत में पूरे साल रबी, खरीफ में एक ही तरह की फसलें न लेकर अलग-अलग मौसम में अलग-अलग तरह की फसलें जैसे खरीफ में उड़द, मूंग के बाद रबी में गेहूं, चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी इत्यादि फसलें बदल-बदलकर बोना चाहिए। जिससे खरपतवारों को काफी हद तक रोका जा सकता है।

जीरो टिलेज

इस पद्धति से खरीफ की फसल की कटाई के तुरंत बाद आवश्यक नमी की अवस्था में बिना किसी प्रकार का भूपरिकरण किये ही सीधे जीरो टिल फर्टी सीड ड्रिल नामक यंत्र से रबी फसलों की बोनी कर दी जाती है। इस विधि में चूंकि जुताई नहीं की जाती है तथा बोनी कतार में ही की जाती है जिससे खरपतवारों को पोषक तत्व नहीं मिल पाते तथा खेत में उपस्थित खरपतवार पूर्व में ही अंकुरित हो चुके होते है और फसल के पुट एवं स्वस्थ्य पौधे होने के कारण खरपतवार ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं।

हाथ से निंदाई

विभिन्न फसलों में अनुशंसित क्रांतिक अवधि में ही प्रारंभिक 20 से 40-45 दिन की अवस्था में ही हाथ से निदांई करना चाहिए जिससे निंदाई के साथ-साथ गुड़ाई भी हो जाती है जो पौधों के जड़ों के श्वसन आदि क्रियाओं में भी लाभकारी होती है।

जैविक नियंत्रण

ऐसी पद्धति जिसमें खरपतवार नियंत्रण के लिए इनके प्राकृतिक शत्रुओं (कीट, रोगजनक, कवक, जीवाणु, निमाटोड आदि) का उपयोग इस प्रकार किया जाता है ताकि खरपतवार की उपस्थिति से फसलोत्पादन में न्यूनतम आर्थिक हानि हो जैविक नियंत्रण कहलाती है। वे नींदानाशक जो सूक्ष्म जीवाणुओं जैसे कवक, जीवाणु, वायरस, निमाटोड आदि में तैयार किया जाता है। जैव नींदानाशक कहलाते हैं। भारत में जैविक नियंत्रण गाजर, घास, जलकुंभी जैसे खरपतवारों पर ही व्यावसायिक स्तर पर ही कुछ क्षेत्रों में अपनाया जा रहा है। निओचेटिन बीटल गाजर घास का प्रभावी नियंत्रण करता है।

समन्वित विधि

खरपतवार प्रबंधन अर्थात इससे होने वाली क्षति से फसल को सुरक्षित रखकर अधिकाधिक उत्पादन एवं आय प्राप्त करने के लिए खरपतवार प्रबंधन की सस्य यांत्रिकी एवं रसायनिक विधियों का समन्वित प्रयोग सर्वोत्तम विधि है। इन तीनों विधियों को एक साथ किसी भी फसल में उपयोग करने पर फसल, खरपतवारों के साथ प्रतियोगिता से बचती है। अन्यथा केवल एक विधि के प्रयोग से किसी न किसी अवस्था में खरपतवार प्रतियोगिता करते ही है। उक्त तीनों विधियों के समन्वय से समय पर सभी आवश्यक कार्य संपादित होने के साथ ही श्रमिकों की कम आवश्यकता तथा व्यय में भी कमी होती है। अतः कृषकों को खरपतवार प्रबंधन में विशेष सलाह है कि सस्य विधियों को अपनायें साथ ही यांत्रिकी विधि से नियंत्रण के उपाय करें तथा रसायनिक विधि द्वारा भी नींदा नियंत्रण के उपाय को अपनी खेती की तरक्की के साथ जोड़े तभी इस विषम समस्या से अपनी फसल की सुरक्षा कर सकेंगे एवं अन्न उत्पादन में आये ठहराव को गति प्रदान कर देश ही अर्थव्यवस्था में पूर्व की भांति अपने योगदान को सुनिश्चित करेंगे।

प्रमाणित/ नींदारहित बीज का प्रयोग

अक्सर नींदा के बीज फसल की कटाई मिसाई के समय फसल के बीजों के साथ मिल जाते हैं। फसल की बोनी के साथ-साथ उनकी भी बोनी हो जाती है और ये फसल से पहले उगकर कड़ी प्रतिस्पर्धा करते हैं। अतः सर्वदा उन्नत किस्म एवं गुणवत्ता का प्रमाणित बीज ही उपयोग में लायें।

मृदा सौर उष्मीकरण (सोलेराइजेशन)

यह मिट्टी से पनपने वाले एवं मिट्टी जनित कवक, जीवाणु, कीट एवं खरपतवारों के नियंत्रण की आधुनिक एवं अत्यंत प्रभावी तकनीक है। यह एक जल उष्मीय (हाइड्रोथर्मल) तकनीक है। जिसमें नम मिट्टी को ज्यादा गर्मी के समय पारदर्शक पॉलीथिन शीट से 4-8 सप्ताह तक ढंक दिया जाता है जिससे मिट्टी या तापमान 8 से 12 अंश सेंटीग्रेड तक बढ़ जाता है और ज्यादातर खरपतवारों के बीज एवं उनकी अंकुरण क्षमता समाप्त हो जाती है। इस विधि में मिट्टी में पर्याप्त नमी का होना आवश्यक है। पॉलीथिन शीट पतली (25-30 माइक्रोमीटर) क्योंकि यह सस्ती होती है तथा ताप वृद्धि में ज्यादा प्रभावी होती है। इस विधि से 90 प्रतिशत से ज्यादा नींदा नियंत्रण हो जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

समुद्र में बहकर आई दुनिया की सबसे दुर्लभ और भारी भरकम व्हेल मछली

वेंलिंग्टन । अंतरिक्ष,समुद्र और इंसान के मस्तिष्क के बारें में अभी तक सब कुछ पता नहीं चला है । यही कारण है कि कभी कभी ऐसी जानकारी हाथ लग जाती है जो सबसे अलग होती है । समुद्र की गहराइयों के बारे में भी सब कुछ नहीं मालूम है । यही कारण है कि बहुत बार हमें समुद्र से जुड़े ऐसे रहस्यों के बारे में पता चलता है, जो सभी को हैरान कर देता है । हाल ही में न्यूजीलैंड में ऐसा ही एक मामला सामने आया, जिसने समुद्र और समुद्री जीवों से जुड़े एक बड़े राज से पर्दा हटाया । दरअसल, यहां पर एक विशाल मछली समुद्र से बहकर किनारे पर आ गई । जब वैज्ञानिकों ने उस मरी मछली की जांच की तो उनके होश उड़ गए, क्योंकि वो दुनिया की सबसे दुर्लभ प्रजाति की व्हेल है ! मछली को एक कोल्ड स्टोरेज में रख दिया गया है और उसकी डीएनए टेस्टिंग चल रही है । एक्सपर्ट्स का दावा है कि मछली की फाइनल पहचान की पुष्टि करने में कुछ हफ्तों का समय लग जाएगा । रिपोर्ट के अनुसार स्पेड-टूथ्ड व्हेल से जुड़े इतने कम नमूने अब तक मिले हैं और जीवित मछली को अभी तक नहीं देखा गया है, इस वजह से इस मछली के बारे में फिलहाल ज्यादा जानकारी नहीं है । शोधकर्ताओं का मानना है कि उन्हें जो शव मिला है, उसकी मदद से उन्हें मछली के बारे में ज्यादा जानकारी प्राप्त करने में मदद मिलेगी । 4 जुलाई को न्यूजीलैंड के साउथ आइलैंड पर ओटागा प्रांत में ये व्हेल तट पर बहकर आ गई थी । डिपार्टमेंट ऑफ कंजर्वेशन के ऑफिशियल डेब डेविस ने एक बयान में कहा कि स्पेड-टूथ्ड व्हेल ऐसी मैमल है, जिसके बारे में सबसे कम जानकारी है और इससे जुड़े सिर्फ 6 नमूने अभी तक दर्ज हुए हैं । इस प्रजाति के बारे में सबसे पहले 1874 में मालूम चला था जब मछली का निचला जबड़ा और 2 दांत मिले थे । मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यूजीलैंड के बीच पर इस महीने की शुरुआत में एक शख्स को बीच पर मरी हुई बड़ी सी मछली दिखी थी । अब वैज्ञानिकों ने जांच के बाद उस मछली के बारे में पता लगा लिया है । ये एक स्पेड-टूथ्ड व्हेल है जो व्हेल की बेहद दुर्लभ प्रजाति है । ये इतनी दुर्लभ है कि इसे आज तक जीवित नहीं देखा गया है । 5 मीटर लंबे इस जीव को उसके लंबे चोंच जैसे मुंह, खोपड़ी । दांत और उसके रंग के पैटर्न से पहचाना गया ।

ओसामा बिन लादेन का करीबी अल कायदा का आतंकी गिरफ्तार, रच रहा था खूंखार साजिश

पाकिस्तानी आतंकवाद विरोधी अधिकारियों ने संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में शामिल अल-कायदा नेता अमीन उल हक को गिरफ्तार कर लिया है, उन्होंने शुक्रवार को उसे 9/11 के मास्टरमाइंड ओसामा बिन लादेन का करीबी सहयोगी बताया । कई वर्षों में पाकिस्तान की पहली अल-कायदा गिरफ्तारी तब हुई जब उसके सबसे अधिक आबादी वाले प्रांत पंजाब में आतंकवाद विरोधी विभाग (सीटीडी) ने हक के खिलाफ कानूनी मामला दर्ज किया, जिसमें उस पर वहां प्रमुख प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ करने की योजना बनाने का आरोप लगाया गया । इससे उनकी सटीक योजनाओं या स्थापनाओं की पहचान नहीं हो पाई । विभाग के प्रवक्ता ने बयान में कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण सफलता में सीटीडी ने खुफिया एजेंसियों के सहयोग से अल-कायदा के एक वरिष्ठ नेता अमीन उल हक को सफलतापूर्वक पकड़ लिया । इसमें कहा गया, उसका नाम संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादियों की सूची में शामिल है । पाकिस्तान के आंतरिक (गृह) मंत्रालय ने टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया । जनवरी 2001 की अपनी सूची में आईएसआईएल (दाएश) और अल-कायदा पर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंध पैनल ने गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अमीन मुहम्मद उल हक साम खान के रूप में की है और उसे बिन लादेन का सुरक्षा समन्वयक बताया है । पैनल ने कहा कि उसे अल-कायदा बिन लादेन या तालिबान समूहों के साथ जुड़ाव, उन्हें हथियारों और संबंधित सामग्री की आपूर्ति, बिक्री या हस्तांतरण जैसी गतिविधियों में योगदान या समर्थन करने के लिए सूची में शामिल किया गया है । बिन लादेन 2011 में पाकिस्तान के उत्तरी शहर एबटाबाद में उसके ठिकाने पर अमेरिकी हमले के दौरान मारा गया था ।

तेल टैंकर घटना में बचे सभी 8 भारतीय सुरक्षित, एक की मौत

मस्कट । ओमान के पास समुद्र में एक तेल टैंकर के पलटने से डूबे तेल टैंकर प्रेस्टीज फाल्कन के बाकी छह लापता चालक दल के सदस्यों का पता लगाने बचाव कार्य जारी हैं, हालांकि बचाए गए आठ भारतीय और एक श्रीलंकाई चालक दल के सदस्य हालत ठीक हैं, लेकिन एक भारतीय सदस्य मृत मिला है । ओमान समुद्री सुरक्षा केंद्र ने कहा कि ओमान तट पर डूबे प्रेस्टीज फाल्कन के 10 चालक दल के सदस्यों को समुद्र से बचाया गया, जिसमें से चालक दल के एक भारतीय सदस्य मृत पाया गया । बचाए गए नौ लोगों का स्वास्थ्य अच्छा है और आवश्यक चिकित्सा देखभाल की जा रही हैं, जबकि लापता लोगों को निकालने के लिए खोज और बचाव अभियान जारी है । बयान में कहा गया कि संकटग्रस्त तेल टैंकर प्रेस्टीज फाल्कन के जीवित बचे चालक दल के सदस्यों में आठ भारतीय और एक श्रीलंकाई नागरिक शामिल है । उनका स्वास्थ्य ठीक है, वे चिकित्सा देखभाल प्राप्त कर रहे हैं । चालक दल के बाकी लापता सदस्यों का पता लगाने के लिए खोज और बचाव प्रयास अभी भी जारी हैं । इस बीच, विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने ओमान में भारतीय राजदूत अमित नारंग से जहाज के बारे में ताजा जानकारी मांगी । उन्होंने कहा कि चालक दल के मृत भारतीय सदस्य का शव निकाल लिया गया है और बचाए गए आठ भारतीयों की देखभाल की जा रही है । उन्होंने कहा कि सरकार स्थिति की निगरानी कर रही है और हर संभव सहायता सुनिश्चित कर रही है । ओमान के समुद्री सुरक्षा केंद्र ने कहा कि कोमोरोस के झंडे वाले प्रेस्टीज फाल्कन के चालक दल में 13 भारतीय और तीन श्रीलंकाई शामिल थे, जब यह सोमवार देर रात दुकम के पास समुद्र में पलटने के बाद डूब गया था ।

उत्तरी चिली में 7.4 तीव्रता का भूकंप

लंदन । अर्जेंटीना की सीमा के पास उत्तरी चिली में 7.4 तीव्रता का भूकंप आया । अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) ने इसकी जानकारी दी । इस भूकंप के कारण जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है । भूकंप चिली के समयानुसार रात नौ बजकर 51 मिनट पर 117 किलोमीटर गहराई में आया । इसका केंद्र चिली के सैन पेड्रो डी अटाकामा से 45 किलोमीटर (28 मील) दक्षिण-पूर्व में था । चिली प्रशांत महासागर में तथाकथित 'रिंग ऑफ फायर' में मौजूद है, यहां अक्सर भूकंप आते रहते हैं । इस क्षेत्र में टेक्टोनिक प्लेट एक-दूसरे को धक्का देती हैं, जिससे अचानक ऊर्जा निकलती है और भूकंप आते हैं । 'रिंग ऑफ फायर' में दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी भी हैं । चिली में 2010 में आए 8.8 तीव्रता के भूकंप और फिर आई सुनामी ने 526 लोगों की जान ले ली थी ।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों के हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत

पेशावर । पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों द्वारा शुक्रवार को एक पुलिस चौकी पर किए गए हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई जबकि कई अन्य घायल हो गए । हमला सूबे के मरदान जिले में तख्तभाई तहसील स्थित पुलिस चौकी पर हुआ । इसमें एक पुलिस कर्मी की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए । खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर ने हमले की निंदा की और पुलिस से मामले में रिपोर्ट तलब की है । उन्होंने कहा, '' आतंकवाद का खात्मा करने के लिए यह पुलिस का बलिदान है । यह अभियान ऐसे कायराना हमलों से नहीं रुकेगा । '' एक अन्य घटना में एक व्यक्ति की उस समय मौत हो गई जब सूबे में रिमोट संचालित बम से विस्फोट किया गया । विस्फोट अफगानिस्तान सीमा के कबायली दक्षिणी वजीरिस्तान के मुख्यालय वाना में हुआ ।

ढ़ाका में कोटा हटाये जाने को लेकर बांग्लादेश में आवामी लीग के कार्यकर्ताओं की पुलिस से भिड़ंत हो गयी।

आरक्षण खत्म होने की आग में जल रहा बांग्लादेश , दंगों में अब तक 39 लोगों की मौत

ढाका । बांग्लादेश में सरकारी नौकरी को लेकर किए गए कथित सुधारों के खिलाफ हिंसा तेज ही होती जा रही है । दंगों में अब तक करीब 39 लोगों की मौत हो गई है और 2500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं । प्रधानमंत्री शेख हसीना ने लोगों से धैर्य रखने और शांति बनाने की अपील की, तब प्रदर्शनकारियों का गुस्सा चरम पर पहुंच गया । बाहर पार्किंग में खड़े वाहन धूंधू कर जलने लगे । प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कहा है कि जो भी लोगों की मौत के जिम्मेदार हैं, उन्हें सजा मिलेगी । ढाका विश्वविद्याल और अन्य जगहों के हजारों छात्र सरकार के विरोध में सड़कों पर हैं । दरअसल, बांग्लादेश में ये विरोध आरक्षण खत्म करने के लिए हो रहा है । छात्र 1971 के युद्ध में लड़ने वाले सैनिकों के बच्चों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की मांग कर रहे हैं । वहीं शेख हसीना का कहना है कि ये फैसला उनके हाथों में है । बांग्लादेश में 30 फीसदी नौकरियां वॉर हीरो के बच्चों के लिए रिजर्व हैं । इसके खिलाफ छात्रों का गुस्सा भड़का है, क्योंकि छात्र मैरिट के आधार पर नौकरियों की मांग कर रहे हैं । उन्होंने छात्रों से अपील की है कि वे उपद्रवियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका न दें । छात्रों की मांग है कि सरकारी नौकरियों में आधे से अधिक पदों पर एक खास समूह को आरक्षण देने का नियम खत्म कर दिया जाए । इसमें पाकिस्तान के खिलाफ 1971 के युद्ध में शामिल होने वालों के परिवार वालों को भी आरक्षण का प्रावधान शामिल है । छात्रों का कहना है कि मैरिट के आधार पर सरकारी नौकरी में भेदभाव हो रहा है । आरक्षण सिस्टम से कम मैरिट वाले लोगों को फायदा मिलता है और ज्यादा मैरिट वाले बठे रह जाते हैं, बांग्लादेश के कानून मंत्री ने छात्रों से मिलकर उनकी मांगों पर बात करने का फैसला किया है ।

ट्रंप के सपोर्ट में ओबामा? चुनावी दौड़ से बाहर हो सकते हैं बाइडन

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की बढ़ती उम्र और खराब होती सेहत को लेकर चिंताई जताई जाने लगी हैं। बाइडन के खास और उनका साथ देने वाले देश के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा भी अब बाइडन से किनारा करने लगे हैं। बाइडेन की बढ़ती उम्र और सामान्य रूप से जनता द्वारा यह मान लिया जाना कि बाइडेन का स्वास्थ्य ठीक नहीं है। इस चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की दावेदारी को मजबूत बना रहा है। बाइडेन इस समय कोरोना से ग्रसित हैं और अपने घर में ही आइसोलेट हैं। पहले से ही कई डेमोक्रेटिक नेताओं ने बाइडेन पर राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी से हटने के लिए दबाव बना रखा है। ऐसे में बाइडन के पक्के समर्थकों का दल, ओबामा और पेलोसी के हल्के विरोध के बाद और भी कमजोर होने लगा है। वहीं दूसरी तरफ तमाम विरोध के बाद भी बाइडेन का लगातार यही कहना है कि वह उम्मीदवारी से पीछे नहीं हटेंगे। वह एक ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने पहले भी ट्रंप को हराया है और एक बार फिर वह ट्रंप को हराएंगे। बाइडेन और प्रेसिडेंट कैंपेन के अधिकारी फुलक्स ने मीडिया से

बात करते हुए कहा कि वह पीछे नहीं हट रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के कई नेताओं द्वार लगातार बाइडेन की बढ़ती उम्र और उनके स्वास्थ्य पर सवाल उठा रहे हैं कि अगर वह ठीक नहीं है तो हमें किसी और के नेतृत्व में नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में दावेदारी पेश करनी चाहिए।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर और बाइडेन का खुलकर सपोर्ट करने वाली नैन्सी पैलोसी ने भी बाइडेन को निजी तौर पर आगाह किया है कि अगर वह उम्मीदवारी से पीछे नहीं हटते हैं तो डेमोक्रेटिक पार्टी सदन में नियंत्रण हासिल करने की क्षमता को खो देगी। सूत्रों के अनुसार, पेलोसी ने बाइडेन से कहा कि आप इस समय की परिस्थितियों के मुताबिक ट्रंप को शायद नहीं हटा सकते, इसलिए जिद को छोड़कर आपको उम्मीदवारी से पीछे हट जाना चाहिए। वहीं, राष्ट्रपति बाइडेन ने इस मामले पर कहा था कि वह उम्मीदवारी से पीछे नहीं हट रहे हैं।

कभी भी उम्मीदवारी छोड़ सकते हैं बाइडन

स्थानीय खबरों के मुताबिक राष्ट्रपति बाइडेन भी अब यह मानने लगे हैं कि वह 5 नवंबर को होने वाले चुनाव में नहीं जीत सकते। लोग लगातार उनकी सेहत पर सवाल उठा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति बाइडेन का उम्मीदवारी से हटना अब केवल समय की बात है वह कभी भी इस उम्मीदवारी से अपने हटने की घोषणा कर सकते हैं। बाइडन के ऊपर लगातार दबाव बनाया जा रहा है करीब दो दर्जन से ज्यादा डेमोक्रेटिक नेताओं ने बाइडन का खुले तौर पर विरोध करते हुए उनसे उम्मीदवारी से पीछे हटने के लिए कह दिया है। अब जबकि बाइडेन के पक्के समर्थक बराक ओबामा और नैन्सी पेलोसी भी बाइडन पर पूरी तरह से भरोसा नहीं कर रहे हैं तो यह बाइडेन के लिए मुश्किल बढ़ाने वाली बात है। बाइडेन फिलहाल कोरोना से ग्रसित हैं, व्हाइट हाउस के मुताबिक उन्हें कोरोना के हल्के लक्षण हैं। फिलहाल वे क्वारिंटाइन में हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी में उथल-पुथल का दौर जारी है। नवंबर में चुनाव और अभी तक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को लेकर ही संशय की स्थिति बनी हुई है ऐसे में पार्टी के लॉ मेकर्स के बीच में भी संशय की स्थिति है कि आखिर किसका सपोर्ट करें। सूत्रों के मुताबिक कई डेमोक्रेटिक नेता राष्ट्रपति पद के लिए अब कमला हैरिस के पीछे लामबंधी करने में जुट गए हैं। कमला हैरिस इस समय पर उपराष्ट्रपति पद पर हैं और डेमोक्रेटिक पार्टी की एक बड़ी नेता भी हैं।

उषा चिलुकुरी ने ऐसा क्या कहा कि स्टेडियम में खड़े हो गए लाखों लोग

-रिपब्लिकन की तरफ से उपराष्ट्रपति उम्मीदवार के समर्थन में दिया भाषण

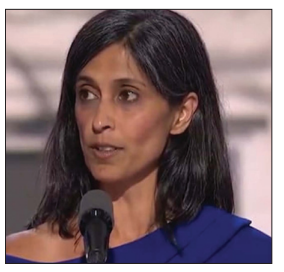

वाशिंगटन (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी के उपराष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस की पत्नी भारतीय मूल की उषा चिलुकुरी ने ऐसा भाषण दिया कि सुनकर सभी लोग हैरान रह गए। औरों से हटकर उषा ने अपने एक्सपीरियंस साझा किए, जिसे लोगों ने खासा पसंद किया।

भाषण की जगह उन्होंने अपनी गुजरी हुई जिंदगी के किस्से शेयर करते हुए कहा ये इसी देश की नियती थी कि जेडी वेंस से उनकी मुलाकात हो गई। जेडी से मुलाकात के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि उनकी मुलाकात लॉ स्कूल में हुई। जब जेडी ओहियो से निकल येल आए थे। हम उनके पहले दोस्त बने, मेरा मतलब है कि जेडी को कौन नहीं दोस्त बनाना चाहेगा। उषा कहती हैं कि उनके लिए जेडी तब से लेकर अब तक दिलचस्प इंसान ही हैं।

इससे पहले रिपब्लिकन के सदस्यों ने बताया कि वो किस लिए समर्थन मांग रहे हैं। उष अपने परिवार का बेकग्राउंड बताते हुए कहती हैं कि मेरा पारिवारिक बैकग्राउंड जेडी से काफी हटकर था। मैं सैनडियागो की एक मीडिल क्लास फैमिली वाली लड़की थी। मुझे प्यार करने वाले मेरे माता-पिता और भाई-बहन थे। जो कि हिन्दुस्तान से बतौर प्रवासी यहां आकर बसे थे। वहीं दूसरी तरफ एक वर्किंग क्लास आदमी जिसने अपना दुष्कारी बचपन झेला। एक टफ मरीन जो इराक में लड़ाई लड़ा हो। पर कौन जानता है कि जब वो घर पर होते हैं तो डॉग के साथ खेलते हैं। बेब फिल्में देखते हैं। ऐसे दृश्ढ़ निश्चयी एक व्यक्ति को मैं जानती हूं। उसकी महत्वकांक्षा पति और पिता बनने की और एक ऐसे परिवार की जिसका सपना उसने बचपन से संजो रखा था। ऐसे महान व्यक्ति जेडी और मेरा मिलना, फिर हम दोनों में प्यार होना और फिर शादी होना। यह सब इस महान देश की टेस्टमनी है। यह सब सुन लाखों लोग अपनी जगह से उठ कर उषा चिलुकुरी का सम्मान के साथ अभिवादन कर रहे थे। यहां बताते चलें कि जेडी वेंस ने भारतीय मूल की वकील उषा चिलुकुरी वेंस से प्रेमविवाह किया है। पत्नी ऊषा चिलुकुरी वेंस का उन्हें पूरा समर्थन प्राप्त है।

तुर्की ने भारत को हथियार बेचने पर लगाया बैन

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातकों में से एक भारत को सैन्य उपकरण बेचने पर सीक्रेट तरीके से प्रतिबंध लगा दिया है। एर्दोगन की सरकार ने बैन का सीधा फैसला नहीं लिया है। लेकिन किसी भी हथियार बिक्री को मंजूरी नहीं दी जा रही है। यह फैसला तब लिया गया है जब कुछ महीनों पहले भारत ने जहाज निर्माण परियोजना में शामिल तुर्की की फर्म के साथ कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। तुर्की सरकार ने बैन के बारे में कोई बड़ी घोषणा नहीं की है। लेकिन इसका खुलासा तुर्की संसद में एक बंद दरवाजे के सत्र में हुआ।

भारत दुनिया के शीर्ष पांच हथियार आयातकों में से एक है। यह हथियार कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है, जो लगभग 100 अरब डॉलर का आयात करता है। उन्होंने कहा, हालांकि हमारी राजनीतिक परिस्थितियों और पाकिस्तान के साथ हमारी दोस्ती के कारण, हमारा विदेश मंत्रालय हमें भारत में किसी भी निर्यात पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देता है और परिणामस्वरूप हम अपनी कंपनियों को कोई परमिट नहीं देते हैं। विदेश में तुर्की रक्षा सामग्री की बिक्री के लिए तुर्की सेना से मंजूरी की जरूरत होती है। तुर्की ने कई देशों को ब्लैकलिस्ट कर रखा है, जिन्हें वह हथियार नहीं बेचता।

डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बने तो यूक्रेन का क्या होगा, जेलेंस्की बोले बढ़ेंगी दिक्कतें

कीव (एजेंसी)। एक तरफ मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन पर राष्ट्रपति पद के रेस से बाहर होने का दबाव बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की स्थिति भी मजबूत होती जा रही है। इस सब के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ट्रंप के जीत की संभावनाओं को बढ़ता देख कर घबरा गए हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा है कि ट्रंप अगर अमेरिका के राष्ट्रपति बनते हैं। तो उनके साथ काम करना बहुत मुश्किल होने वाला है। जेलेंस्की ने स्वीकार किया कि नवंबर में होने वाले अमेरिकी चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत यूक्रेन के लिए ठीक नहीं है। हालांकि जेलेंस्की ने कहा है कि वह और यूक्रेन के लोग इसके लिए तैयार हैं।वहीं ट्रम्प ने अपने चुनावी अभियान के दौरान कहा है कि एक बार राष्ट्रपति के तौर पर चुने जाने के बाद वह बातचीत कर के इस जंग को खत्म करवा देंगे।

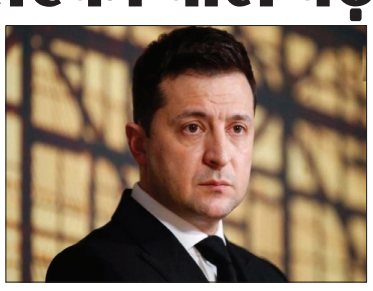

उन्होंने कहा कि फरवरी 2022 अगर वह इस पद पर होते तो कोई जंग शुरू ही नहीं होता।

जेलेंस्की ने इस दौरान यह भी कहा कि ट्रम्प के चुने जाने के बाद काफी मुश्किल हो सकती है और हमें ज्यादा मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, लेकिन यूक्रेन के लोग मेहनती हैं। जो बाइडेन की सरकार ने जंग के दौरान यूक्रेन को लगातार हथियार भेजे हैं। हालांकि अमेरिकी कांग्रेस के अंदर विवादों की वजह से पिछले कुछ महीनों इसमें कमियां भी आई है। ट्रंप ने अपने साथ उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में सीनेटर जे.डी. वेंस को चुनकर यह बात साफ कर दी है कि अगर वे चुनाव जीतते हैं तो रूस के साथ 28 महीने से चल रहे जंग में उलझे यूक्रेन पर अमेरिका का रुख बदल भी सकता है। गौरतलब है कि वेंस ने एक साक्षात्कार में कहा था, मुझे सच में कोई परवाह नहीं है कि यूक्रेन के साथ क्या होता है। लंदन में यूरोपीय पॉलिटिकल मीटिंग में भाग ले रहे जेलेंस्की ने बीबीसी से बात करते हुए इस बारे में भी बात की। जेलेंस्की ने कहा, शायद उन्हें सच में परवाह नहीं है, लेकिन हमें अमेरिका के साथ काम करना है।

ट्रंप का दावा: अमेरिका स्वर्णिम युग की दहलीज पर खड़ा है

वाशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने मिल्वौकी में रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में अपने भाषण के दौरान देशवासियों से एकता का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अब से चार महीने बाद, हमें एक अविश्वसनीय जीत मिलेगी। मैं पूरे अमेरिका के लिए राष्ट्रपति बनने के लिए चुनाव लड़ रहा हूं, न कि आधे अमेरिका के लिए, क्योंकि आधे अमेरिका के लिए जीतने में कोई जीत नहीं है। डोनाल्ड ट्रंप पर पिछले हफ्ते पेंसिल्वेनिया में एक रैली के दौरान जानलेवा हमला हुआ था। उस हमले को लेकर ट्रंप ने कहा कि मुझे तुरंत पता चल गया था कि मुझ पर हमला हुआ है और यह बहुत गंभीर है, लेकिन मैं बहुत सुरक्षित महसूस कर रहा था क्योंकि भगवान मेरे साथ थे।

78 वर्षीय ट्रंप ने अपने संबोधन में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह व्हाइट हाउस में दूसरा कार्यकाल पाने में सफल होंगे और जो बाइडन के खिलाफ जीत हासिल करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उनका संकल्प अटूट है और वे अमेरिकी लोगों की सेवा करने वाली सरकार देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा मैं आज रात अपने देश को अपनी सारी ऊर्जा और संघर्ष के साथ जो कुछ भी देना चाहता हूं, देने की प्रतिज्ञा करता हूं। आज रात, विश्वास और भक्ति के साथ, मैं गर्व के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए आपके नामांकन को स्वीकार करता हूं। पेंसिल्वेनिया की रैली के दौरान हुए हमले के बाद ट्रंप का यह पहला भाषण था। जिसमें उन्होंने कहा हम साथ मिलकर, हर जाति, धर्म, रंग और पंथ के नागरिकों के लिए सुरक्षा, समृद्धि और स्वतंत्रता का एक नया युग शुरू करेंगे। हमारे समाज में कलह और विभाजन को दूर करने की जरूरत है।

अमेरिका स्वर्णिम युग की दहलीज पर खड़ा

अपने देशवासियों को एकजुट होने का आह्वान करते हुए रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अब समय आ गया है कि हम दुनिया में सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व की अपेक्षा करें और उसकी मांग करें, एक ऐसे नेतृत्व की, जो साहसी, गतिशील, अथक और निडर हो। अपने पूर्व के राष्ट्रपति कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए ट्रंप ने कहा कि यूरोप और मध्य पूर्व में शांति थी, लेकिन राष्ट्रपति बुश के कार्यकाल के दौरान रूस ने जॉर्जिया पर आक्रमण किया। राष्ट्रपति ओबामा के कार्यकाल में रूस ने क्रीमिया पर कब्जा कर लिया। वर्तमान प्रशासन के तहत, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध जारी है। हमारे कार्यकाल के दौरान हमने सीरिया और इराक में आईएसआईएस को 100 प्रतिशत हराया। जिसमें पांच साल लगने वाले थे, उसे हमने दो महीने में कर दिया। मैंने उत्तर कोरिया से मिसाइल प्रक्षेपण रोक दिया था।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका एक नए स्वर्ण युग की दहलीज पर है, लेकिन हम में इसे साकार करने का साहस होना चाहिए। इस्राइल हमास युद्ध पर ट्रंप ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि हम अपने बंधकों को वापस चाहते हैं और बेहतर होगा कि वे मेरे पदभार ग्रहण करने से पहले सभी बंधक वापस आ जाएं, वरना आपको बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। नवंबर में हमारी जीत के साथ, युद्ध, कमजोरी

और अराजकता के वर्ष खत्म हो जाएंगे। मौजूदा बाइडन सरकार पर हमले बोलते हुए ट्रंप ने कहा कि ईरान कमजोर, टूटा हुआ था, और एक सौदा करना चाहता था। वे हमास, हिज़्बुल्लाह पर पैसा खर्च नहीं कर रहे थे, और ईरान के पास कभी भी परमाणु हथियार नहीं होने वाला था। अब, वे 90 दिनों के भीतर एक परमाणु हथियार प्राप्त करने की स्थिति में हैं, और उनके पास पूरे क्षेत्र में आतंक फैलाने के लिए 300 बिलियन अमरीकी डॉलर हैं। ट्रंप ने कहा कि हमारे विरोधियों को शांति की दुनिया विरासत में मिली और उन्होंने इसे युद्ध की दुनिया में बदल दिया।

विचाराधीन कैदियों के लिए नजीर बनेगा सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने लंबे समय से जेल में बंद आरोपियों की जमानत को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अपनी जमानत अर्जी पर शीघ्र सुनवाई हो, ये अभियुक्त का मौलिक अधिकार है। इस अधिकार को जघन्य अपराधों के मामलों में भी छीना या कम नहीं किया जा सकता है। उन विचाराधीन कैदी को जमानत देने से नहीं रोक सकते जो लंबे समय से जेल में बंद है, और ट्रायल का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि लंबे समय से जेल में बंद कैदी के मामले में निकट भविष्य में ट्रायल पूरा होने की संभावना नहीं है, इसकारण यह जमानत देने का अच्छा आधार है। सुप्रीम कोर्ट ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) यानी यूएपीए अधिनियम के तहत आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता और उच्च गुणवत्ता वाले नकली भारतीय नोटों की तस्करी के आरोप में ट्रायल का सामना कर रहे एक आरोपी को जमानत दे दी। आरोपी पिछले 9 वर्षों से जेल में बंद था। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस न्यायालय ने बार-बार इस पर जोर दिया है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीने और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार सर्वोपरि और पवित्र है। जजों का कहना था कि यदि किसी संवैधानिक न्यायालय को लगता है कि अनुच्छेद 21 के तहत विचाराधीन अभियुक्त के अधिकार का उल्लंघन हुआ है, तब उस दंड विधान में प्रतिबंधात्मक वैधानिक प्रावधानों के आधार पर जमानत देने से नहीं रोका जा सकता।

साइबर ठगों ने व्यापारी से ठगे करीब पांच लाख, जयपुर में इस तरह की घटना हुई आम

जयपुर। साइबर ठग आए दिन नए नए तरीकों से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं और लाखों रुपए ऐंठ रहे हैं। ठग कभी ईडी, कभी सीबीआई तो कभी आयकर अधिकारी बनकर लोगों पर गबन और मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगाकर गिरफ्तार करने की धमकी देते हैं। गिरफ्तारी से बचने का झांसा देते हुए लाखों रुपए वसूलते हैं। पिछले एक महीने में जयपुर में इस तरह की तीन घटनाएं हुई हैं। पहली घटना एक महिला बैंक मैनेजर से 17 लाख रुपये ठग लिए। दूसरी वारदात रिटायर्ड जज से पांच लाख रुपए ठग लिए। तीसरी घटना में एक कारोबारी से 4.90 लाख रुपए ठग लिए। एक बार 4.90 लाख रुपए ऐंठने के बाद साइबर ठगों ने फिर से रुपए वसूलने का प्लान बनाया। दो दिन पहले फिर से उसी व्यक्ति का कॉल आया और फिर से पांच लाख मांगने लगा। दोबारा रुपए मांगे से प्रदीप लोईवाल ने रुपए देने से इनकार कर दिया। प्रदीप ने अपने परिचितों से बताया तो उनकी सलाह पर मुकदमा दर्ज कराया गया। मामले की जांच की जा रही हैं।

जीतन सहनी हत्याकांड में मुकेश सहनी के करीबी का आया नाम

पटना। बिहार के बहुचर्चित जीतन सहनी हत्याकांड का मुख्य आरोपित भले ही पुलिस की गिरफ्त में हो लेकिन बिहार पुलिस अभी भी एक ऐसे व्यक्ति की तलाश कर रही, जिसका इस हत्याकांड से संबंध है और विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी का नजदीकी है। जीतन सहनी की हत्या मामले में दरभंगा के एसएसपी ने अब तक की सभी जानकारी मीडिया को दी है। लेकिन एक सवाल के जवाब में एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने माना है कि पूरे मामले में मुकेश सहनी के परिवार के एक बेहद करीबी व्यक्ति भी इस मामले में शक के दायरे में है। पुलिस ने मुकेश सहनी के परिवार के उस करीबी से भी लगातार पूछताछ की है। फिलहाल पुलिस हिरासत में लिए गए मुकेश सहनी के परिवार के करीबी के अलावा बाकी सभी हिरासत में लिए गए लोगों को पुलिस ने क्लीन चीट नहीं दिया है। हालांकि एसएसपी ने फिलहाल शक के दायरे में आए मुकेश सहनी के परिवार के सदस्य का नाम नहीं बताया है और ना बाकी लोगों का भी नाम बताया है, जो अन्य लोग हिरासत में हैं। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार काजिम अंसारी से पूछताछ के बाद उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। काजिम अंसारी को दरभंगा पुलिस जल्द ही रिमांड पर लेगी और जरूरी पूछताछ करेगी। गौरतलब है कि पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया था कि काजिम अंसारी ने जीतन सहनी से करीब डेढ़ लाख रुपए सूद पर लिए थे और इसके बदले जमीन के कागजात दिए थे। काजिम अंसारी जमीन का कागजात जीतन सहनी से लेना चाहता था जबकि उन्होंने मना कर दिया। इसके बाद उसने गुस्से में आकर अपने साथियों के साथ मिलकर जीतन सहनी की हत्या कर दी। वहीं जिस अलमारी में उसके जमीन के कागजात रखे हुए थे, उसकी चाबी नहीं मिलने पर उसने अलमारी पानी में फेंक दिया था. जीतन सहनी की शव क्षत-विक्षत पड़ी हुई थी।

फेमस होने के लिए सीएम योगी को बम से उड़ाने की दी धमकी!

प्रयागराज। एलएलबी कर रहे एक छात्र ने सीएम योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी सिर्फ इसलिए दे दी कि उसे फेमस होना था। नतीजा ये हुआ ये छात्र हवालात पहुंच गया। प्रयागराज के युवक की पहचान अनिरुद्ध पांडेय ने सोशल मीडिया पर बम से उड़ाने की धमकी दी। उसने अपने अकाउंट पर लिखा कि योगी को वह पांच दिन के भीतर बम से उड़ा देगा। जैसे ही यह पोस?ट वायरल हुआ, प्रयागराज पुलिस की साइबर सेल एक्टिव हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। सीएम योगी को इससे पहले कई मौकों पर जान से मारने की धमकी दी जा चुकी है। आरोपी अनिरुद्ध पांडेय के रूप में हुई है। वह सराय इनायत के मलावा बुजुर्ग गांव का रहने वाला है। अनिरुद्ध झूंसी में स्थित एक निजी कॉलेज से एलएलबी सेकेंड इयर का छात्र है। पुलिस अफसरों का कहना है कि पूछताछ में युवक ने बताया कि उसने फेमस होने के लिए योगी को धमकी देने संबंधी पोस?ट किया था। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए सर्विलांस और एसओजी की संयुव?त टीम लगाई गई थी। उसके लोकेशन सराय इनायत इलाके में मिली।

केरल में भारी बारिश के चलते लैंडस्लाइड,सैकड़ों घर तबाह, स्कूल-कालेजों की छुट्टी

नई दिल्ली। केरल में उत्तरी मालाबार जिलों के पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश हो रही है। भयंकर बारिश से यहां सामान्य जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों के कई हिस्सों से बाढ़, पेड़ों के उखड़ने, संपत्ति को नुकसान और मामूली लैंडस्लाइड की घटनाएं सामने आईं। यहां आईएमडी ने एक दिन के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही तीनों जिलों में जिला प्रशासन ने शुक्रवार को स्कूल-कॉलेज में छुट्टी घोषित कर दी है। केरल में जगह-जगह हो रही बारिश से भारी तबाही देखने को मिल रही है। पलक्कड़ में एक स्कूल बस नहर में पलट गई, हालांकि कोई घायल नहीं हुआ और बच्चों को बचा लिया गया। कोझिकोड में जगह-जगह जलजमाव के चलते सड़कें डूबी हुई हैं। कन्नूर में भारी बारिश के चलते 80 लोगों को शिविरों में स्थानांतरित करना पड़ा और लगभग 71 परिवारों को कन्नूर में उनके रिश्तेदारों के घरों में ले जाया गया। यहां 13 घर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 242 घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए हैं। उत्तरी केरल के कुछ हिस्सों से बारिश के कारण दीवारें गिरने और आसपास खड़े वाहनों को नुकसान पहुंचने की भी खबरें हैं। त्रिशूर और एर्नाकुलम जिलों से भी बारिश के कारण संपत्ति के नुकसान की खबरें आईं हैं। पिछले कुछ दिनों में राज्य में भारी बारिश के चलते लैंडस्लाइड, संपत्ति को नुकसान, सड़कों पर जलभराव और कई एकड़ खेत में बाढ़ आ गई है। इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने चेतावनी दी है कि केरल तट, खासकर कन्नूर और कासरगोड में 2.5 से 3.4 मीटर ऊंची लहरें और तूफान आने की संभावना है। इन क्षेत्रों में मछुआरों और तटीय निवासियों को विशेष सावधानी बरतने, मछली पकड़ने वाले जहाजों को बंदरगाह में सुरक्षित रूप से बांधने और समुद्र तट की यात्रा से पूरी तरह से बचने की सलाह दी है। इनके अलावा, एर्नाकुलम जिले में एक हाथी नदी पार करने के कोशिश करते हुए कथित तौर पर बह गया और उसकी मौत हो गई। वायनाड जिले के पहाड़ी इलाकों में भी बड़े पैमाने पर भारी बारिश हुई, 29 से अधिक घर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गए, 1,000 से अधिक लोगों को 22 शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया और क्षेत्र से बहने वाली नदियों के जलस्तर बढ़ गया है।

'2051 तक एक मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा असम, इसे कोई नहीं रोक सकता', हिमंत बिस्वा सरमा का बड़ा दावा

दिसपुर (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बार फिर कुछ ऐसा बयान दिया है जिससे सियासी बवाल छिड़ सकता है। उन्होंने दावा किया कि असम में मुस्लिम आबादी हर 10 साल में लगभग 30 प्रतिशत बढ़ रही है, और वे 2041 तक बहुसंख्यक हो जाएंगे। गुरुवार को गुवाहाटी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सांख्यिकीय नमूने के अनुसार मुसलमान अब असम की आबादी का 40 प्रतिशत हो गए हैं। उन्होंने साफ तौर पर दावा किया कि 2041 तक असम मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। यह एक वास्तविकता है और इसे कोई नहीं रोक सकता।

इसके साथ ही हिमंता ने कांग्रेस पर भी बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों की जनसंख्या वृद्धि को रोकने में कांग्रेस की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि राहुल गांधी जनसंख्या नियंत्रण के ब्रांड एंबेसडर बन जाते हैं, तो यह नियंत्रित हो जाएगा क्योंकि समुदाय केवल उनकी बात सुनता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि तथ्यों के सांख्यिकीय प्रक्षेपण के आधार पर, वर्ष 2051 तक असम एक मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। उन्होंन कहा कि असम में बढ़ती मुस्लिम आबादी का बयान तथ्यों पर आधारित है, राजनीति पर नहीं।

इससे पहले असम सरकार ने गुरुवार को एक कैबिनेट बैठक में असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को रद्द करने का फैसला किया। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि आज हमने मुस्लिम विवाह अधिनियम को निरस्त किया और मुस्लिम विवाह पंजीकरण के लिए एक नया कानून लागू करेंगे। बाल विवाह 80प्र. अल्पसंख्यक समुदाय में होता है, और 20प्र. अन्य समुदायों में। लेकिन हमारे लिए यह समस्या धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक है। जल्द ही राज्य में बाल विवाह को खत्म करने का प्रयास किया जाएगा।

वहीं, सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमने बाल विवाह के खिलाफ अतिरिक्त सुरक्षा उपाय करके अपनी बेटियों और बहनों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। भाजपा नेता ने आगे बताया कि आज असम कैबिनेट की बैठक में हमने असम निरसन विधेयक 2024 के माध्यम से असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम और नियम 1935 को निरस्त करने का निर्णय लिया है। सरकार ने बताया कि विवाह और तलाक के पंजीकरण में समानता लाने के लिए, राज्य मंत्रिमंडल ने असम निरसन विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी है, जिसका उद्देश्य असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 और असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण नियम, 1935 को निरस्त करना है।

गोंडा में रेल हादसे के बाद राहत-बचाव कार्य जारी, जल्द शुरु हो सकता है परिचालन

गोंडा। यूपी के गोंडा में जहां चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस पटरी से उतर गई थी। इस दुर्घटना में तीन की मौत हो गई और 30 लोग घायल हुए थे। वहां एक-एक करके कोच को वापस पटरी पर या धकेलकर दूसरी तरफ कर रहे हैं। इसे जल्द से जल्द ठीक करने की कोशिश की जा रही है। गोंडा में ट्रैक पर रेलवे ऑपरेशंस जल्द शुरू करने की कवायद जारी है। बता दें पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा-गोरखपुर रेल खंड पर मोतीगंज और झिलाही रेलवे स्टेशनों के बीच गुरुवार की दोपहर चंडीगढ़-डिब्रूगढ़ वीकली एक्सप्रेस ट्रेन के आठ डिब्बे पटरी से उतर गए। जिलाधिकारी डॉ. नेहा शर्मा ने इस घटना में चार लोगों की मौत की पुष्टि की थी। हादसे में कई यात्री जख्मी हुए थे। घटना के समय ट्रेन के कुछ यात्री दोपहर के भोजन के बाद आराम कर रहे थे, वहीं अन्य लोग आने वाले स्टेशन पर उतरने की तैयारी में थे। तभी यह हादसा हो गया। हादस के बाद पटरियों से कुछ दूरी पर लोगों की अटैचियां और सामान बिखरे पड़े थे। बोगियों से बचकर बाहर निकले कुछ लोग बदहवास से पटरियों के पास ही बैठे दिखे। कई लोग अपनों को ढूंढ़ते नजर आए। बच गए लोगों को बस एक ही फिक्र थी कि उसके अपने सुरक्षित हैं या नहीं। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की आठ बोगियों के गुरुवार को पटरी से उतर जाने की घटना के बाद मौके पर ऐसा ही दृश्य था।

'कांग्रेस बैसाखियों पर चलने वाली पार्टी', ओडिशा में नड्डा बोले- राज्य को आगे ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे

पुरी (एजेंसी)। ओडिशा भाजपा प्रमुख मनमोहन सामल की अध्यक्षता में भारतीय जनता पार्टी की दो दिवसीय राज्य कार्यकारी समिति की बैठक आज पुरी में शुरू हो गई है। आज बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शामिल हुए। जानकारी के मुताबिक बैठक में राज्य के मौजूदा राजनीतिक और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई। राज्य कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी नेताओं को नड्डा ने संबोधित भी किया। अपने संबोधन के शुरूआत में उन्होंने कहा कि मैं ओडिशा भाजपा के एक-एक कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं, साधुवाद देता हूं। क्योंकि आप सभी ने पूरी ताकत लगाकर ओडिशा में कमल खिलाया है।

नड्डा ने कहा कि हम अपने लोगों का कल्याण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। आज मैं विश्वास दिलाता हूं कि हम अनुसूचित जाति समुदाय और हमारे आदिवासी भाइयों को मुख्यधारा में लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ओडिशा के हमारे आदिवासी भाइयों-बहनों ने भी भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। आज हमारे 18 विधायक ट्राइबल समाज से हैं। इसलिए मैं आदिवासी भाइयों-बहनों का धन्यवाद करता हूं और विश्वास दिलाता हूं कि भाजपा आपकी सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि भाजपा अकेली ऐसी पार्टी है जिसमें आंतरिक प्रजातंत्र है, भाई-भतीजावाद नहीं है, अपना-पराया नहीं है। बल्कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को लेकर चलने वाली पार्टी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक राजनीतिक 'परजीवी' बन गई है, जो अपना पेट भरने के लिए दूसरों की ताकत का सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खोखले वादों के अलावा किसी और चीज़ पर भरोसा नहीं करती है, और 'बैसाखी' के अलावा किसी और चीज़ पर नहीं चलती है।

अपना हमला जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद के बल पर खड़ी नहीं हो सकती है, ये बैसाखियों पर चलने वाली पार्टी है। कांग्रेस पार्टी को संविधान से कोई लेना-देना नहीं है। ये संविधान के रक्षक नहीं, बल्कि भक्षक हैं। इन्होंने संविधान को एक बार नहीं, बल्कि अनेकों बार आघात पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को याद कीजिए, इन्होंने रातों-रात हमें जेलखानों में डाल दिया था। 1 लाख 25 हजार लोगों को जेल में डाल दिया था। ये राहुल क्या जानें अपनी दादी के कारनामें। कांग्रेस पार्टी ने 90 बार चुनी हुई सरकार को गिराने का काम किया।

नड्डा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कहा था कि एक देश में दो वि?धान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चल सकता। जिसे मोदी जी की इच्छाशक्ति और अमित शाह जी की रणनीति ने धारा 370 को धाराशायी कर जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने का काम किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले भारत अनिर्णय, भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद से त्रस्त था। हालाँकि, प्रधान मंत्री मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, हमारे देश ने 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' के मार्गदर्शक सिद्धांतों को अपनाते हुए एक परिवर्तनकारी यात्रा की है। आज, भारत नए उद्देश्य और प्रगति की भावना के साथ चमक रहा है।

भगवान जगन्नाथ मंदिर के खजाने की जानकारी रहेगी गोपनीय

-रत्न भंडार की मरम्मत का काम होगा

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा में भगवान जगन्नाथ मंदिर का खजाना खोलने को लेकर काफी समय से मांग हो रही थी। यह खजाना अब से पहले 1985 में खोला गया था। 46 साल बाद बीते 14 जुलाई को जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खुला। इसके लिए ओडिशा की भाजपा सरकार की एसओपी के मुताबिक खास तैयारियां की गई थीं।

रत्न भंडार के तहखाने की चाबियां खो गई थीं, इसलिए ताले तोड़कर नए ताले डाल दिए गए थे। इसके बाद 18 जुलाई को फिर रत्न भंडार खोला गया। रत्न भंडार में 11 सदस्यों की टीम करीब 7 घंटे तक रही। सरकार द्वारा गठित समिति के अध्यक्ष जस्टिस विश्वनाथ रथ ने कहा कि पहले रत्न भंडार की मरम्मत का काम होगा। भगवान से प्रार्थना करे कि ये काम जल्द से जल्द हो जाए।

पिछली बार साल 1985 में तहखाने को खोला गया था। राजाओं के मुकुट से लेकर खजानों से भरी तिजोरियां देखने को मिली थीं। दरअसल, रत्न भंडार में भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के कीमती आभूषण और खाने-पीने के बर्तन रखे हुए हैं। खजाने में वे चीजें हैं, जो उस दौर के राजाओं और भक्तों ने मंदिर में चढ़ाए थे। 12वीं सदी के बने मंदिर में तब से ये चीजें रखी हुई हैं। इस भंडारघर के दो हिस्से हैं, एक बाहरी और भीतरी भंडार।

गोपनीय रहेगी खजाने की जानकारी

श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के प्रमुख अरबिंद पाधी ने बताया कि रत्न भंडार के अंदर के चैंबर से सभी कीमती सामान एक अस्थायी स्ट्रांग रूम में शिफ्ट हो गए हैं। इनमें लकड़ी और स्टील की अलमारी और संदूक सहित सात कंटेनर शामिल थे। एसओपी के अनुसार भीतरी कक्ष और अस्थायी स्ट्रांग रूम दोनों को बंद कर सील कर दिया गया है। रथ ने कहा कि भीतरी कक्ष के अंदर आभूषण और कीमती सामान सात कंटेनरों में रखे गए, इनमें तीन लकड़ी की अलमारियां, दो लकड़ी की पेटियां और एक स्टील की अलमारी और एक लोहे की पेटी शामिल थी। सभी कीमती सामान नए कंटेनरों में रखा गया और स्ट्रांग रूम को सील कर दिया गया है। चाबियां पुरी कलेक्टर को दे दी गई हैं। चाबियां खजाने में रखी जाएंगी। खजाने के बारे में न्यायमूर्ति रथ ने कहा कि हमने आंतरिक कक्ष के अंदर जो कुछ देखा, वह गोपनीय है। जिस तरह कोई अपने घर में कीमती सामान का खुलासा नहीं करता, उसी तरह भगवान के खजाने को सार्वजनिक रूप से बताना अनुचित होगा।

उपचुनाव से पहले चिंता बढ़ी, लेकिन कमान योगी ने ही संभाली

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी बीजेपी में कलह देखने को मिल रही है। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी हाल ही में दिल्ली गए थे। इस दौरान जेपी नड्डा और पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। यूपी में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव से पहले इन चर्चाओं ने बीजेपी की चिंताएं बढ़ा दी हैं। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने फूंटफुट पर खेलने के संकेत दिए हैं और उपचुनाव की तैयारियों की कमान अपने हाथ में ले ली है। अभी चुनाव की तारीखों का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन सीएम योगी पहले ही सरकार और संगठन के पेंच कसना चाहते हैं। ऐसा इसलिए कि मंत्री अपने इलाकों में जिम्मेदारी संभाल लें और संगठन भी सक्रिय हो जाए ताकि चुनाव के ऐलान के वक्त दबाव न रहे। सीएम योगी ने हाल ही में सभी दस विधानसभा सीटों से जुड़े लोगों की बैठक भी बुलाई थी और प्रभारी तय किए गए थे।

सीएम योगी ने मंत्रियों और नेताओं को संकेत दिया है कि वे लोगों की समस्याओं को सुनें और जनसंपर्क बढ़ाएं। खासतौर पर बूथ मैनेजमेंट पर जोर दिया जाए। बुधवार को हुई बैठक में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक नहीं पहुंचे। दोनों नेता दिल्ली में थे। इसकी चर्चाएं भी खूब रहीं, लेकिन योगी आदित्यनाथ चुप्पी साधे रहे और मिशन-10 पर जुट गए। कयास इसलिए भी बढ़े थे क्योंकि बीजेपी के संगठन के भी कई वरिष्ठ नेता मौजूद नहीं थे। इस पर जब सवाल हुए तो बीजेपी के नेताओं ने ज्यादा तवज्जो नहीं दी। उन्होंने कहा कि अभी तो यह सरकार का ही काम है। चुनाव के ऐलान के बाद संगठन भी सक्रिय हो जाएगा। यूपी में खराब नतीजों का सीधा असर सीएम योगी की छवि पर पड़ सकता है। इसलिए वह काफी सक्रिय हैं और चाहते हैं कि लोकसभा चुनाव वाली हार की निराशा दूर की जाए। योगी आदित्यनाथ ने मंत्रियों की बैठक तब बुलाई, जब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक दिन पहले ही कहा था कि संगठन सरकार से बड़ा है।

महाराष्ट्र सरकार पर आठ लाख करोड़ का कर्ज, जनता को लुभाने ला रहे योजनाएं

-संजय राउत बोले-अपना रंग रूप बदलकर नाटक करने में माहिर हैं छगन भुजबल

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने लाडला भाऊ (यानी लाडला भाई) योजना की शुरुआत की है। इस योजना में शिंदे सरकार 12वीं पास लड़कों को आर्थिक मदद देगी। सरकार की इस योजना पर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने शिंदे सरकार पर जमकर निशाना साधा है।

संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार पर आठ लाख करोड़ रुपए का कर्ज है। यह कोई छोटी रकम नहीं है। लोकसभा चुनाव में हार के बाद सरकार की ओर से लाडला भाऊ योजना ला रही है। लाडली बहना योजना मध्य प्रदेश की योजना है, जिसे महाराष्ट्र सरकार ने कॉपी किया है। उन्होंने कहा कि अब लाडला भाई योजना के तहत 12वीं पास युवाओं को 6 हजार और बेरोजगारों को दस हजार रुपए दिए जाएंगे और लाडली बहिना को सिर्फ 1500 रुपए। हमारी मांग है कि लाडली बहिना योजना के तहत बहनों को भी दस हजार रुपए दिए जाएं, तभी उनका घर चलेगा। संजय राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान महायुति के लोग कह रहे थे कि विपक्ष दस सीट भी नहीं जीतेगा। लेकिन, हमने 31 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके अलावा चार सीटों पर बहुत कम अंतर से हमारी हार हुई है। आगामी विधानसभा चुनाव में भी महाविकास अघाड़ी 280 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। महाराष्ट्र में बीजेपी की सीटों की संख्या 2019 में 23 थी जो हाल के लोकसभा चुनावों में घटकर सिर्फ 9 रह गई है। सीएम शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को सात जबकि उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी सिर्फ एक सीट पर जीत हासिल कर सकी और विपक्षी एमवीए जिसमें शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस शामिल हैं, ने बेहतर प्रदर्शन कर 48 में से 30 सीटों पर जीत हासिल की। राउत ने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनावों में एमवीए 288 में से 280 सीटें जीतेगी।

वहीं राउत ने छगन भुजबल पर भी निशाना साधते हुए उन्हें बहुत बड़ा कलाकार बताया है। संजय राउत ने कहा कि उन्होंने फिल्मों में भी काम किया है। अपना रंग रूप बदलकर नाटक करने में छगन भुजबल माहिर हैं। शरद पवार की देश में और महाराष्ट्र की राजनीति में उनकी प्रतिष्ठा है। देखते रहिए आगे क्या होता है। बता दें कि लाडला भाऊ (लाडला भाई) योजना के तहत महाराष्ट्र सरकार ने 12वीं पास को 6 हजार रुपए तो वहीं, बेरोजगार युवकों को 10 हजार की आर्थिक मदद देने का ऐलान किया है। इससे पहले, महाराष्ट्र सरकार ने मुख्यमंत्री लाडली बहिना योजना की शुरुआत की थी। इस योजना के तहत 21 से 60 साल की पात्र महिलाओं को सरकार की ओर से हर महीने 1500 रुपए की आर्थिक मदद दी जाती है।

आरएसएस के मुरीद हुए दिग्विजय सिंह! यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को दे दी सीखने की नसीहत

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को लेकर बड़ा बयान दिया है। आरएसएस के कट्टर आलोचकों में से एक दिग्विजय सिंह ने इसको लेकर युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को एक नसीहत दी है। उन्होंने युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से सीखें कि संदेश को प्रभावी ढंग से कैसे संप्रेषित किया जाए और संगठन के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करें। दिग्विजय सिंह ने यह बात जबलपुर में कही जब वे कथित नर्सिंग कॉलेज घोटाले और नीट प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ युवा कांग्रेस द्वारा आयोजित धरना प्रदर्शन को संबोधित कर रहे थे।

अपने संबोधन में दिग्विजय सिंह ने कहा कि संघ से सीखिए, हालांकि हम उनके कट्टर विरोधी हैं। वे दिमागी खेल खेलते हैं। वे कभी विरोध नहीं करेंगे, कभी प्रदर्शन नहीं करेंगे, कभी पिटेंगे नहीं, कभी जेल नहीं जाएंगे, बल्कि वे हमें जेल भेज देंगे। उन्होंने आगे कहा कि आरएसएस आम तौर पर तीन चीजों पर ध्यान केंद्रित करता है-पर्चे बांटना, चर्चाएं आयोजित करना और अंत में आंदोलन पर होने वाला खर्च। अगर आप उनसे लड़ना चाहते हैं, तो उन्हें उनके ही खेल में हराएं, बेशक, शारीरिक रूप से नहीं बल्कि बौद्धिक रूप से।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जमीनी स्तर पर संगठनात्मक नेटवर्क के अभाव में विरोध प्रदर्शन प्रभावी साबित नहीं होंगे। उन्होंने बूथ से लेकर जिले तक तीन स्तरों पर आंदोलन करने का सुझाव दिया। कांग्रेस नेता ने कहा कि संघ की कार्यप्रणाली और दुष्प्रचार को समझकर उसका प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए सिंह ने राज्य चुनावों में कांग्रेस पार्टी के प्रदर्शन पर निराशा व्यक्त की और कहा कि पार्टी फिलहाल इस असफलता के कारणों का विश्लेषण कर रही है।

सिंह ने कहा कि भाजपा ने दावा किया था कि वह लोकसभा चुनावों में 400 सीटें हासिल करेगी, लेकिन वह 250 सीटें भी हासिल नहीं कर सकी। उन्होंने भाजपा को मिले बहुमत का श्रेय बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के समर्थन को दिया। इसके अलावा, सिंह ने नीट प्रश्नपत्र लीक कांड के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के अध्यक्ष प्रदीप कुमार जोशी की आलोचना की और सवाल किया कि परीक्षा रद्द क्यों नहीं की गई। इसके अतिरिक्त, सिंह ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार के विभिन्न आरोप भी लगाए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)